सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 159 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 24 मार्च 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

मेहनत और लगन से ही मिलती है सफलता, सरगुजा के युवाओं में है अपार क्षमता-बाइचुंग भूटिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सरगुजा ओलंपिक 2026 के समापन अवसर पर भारतीय फुटबॉल जगत के दिग्गज और पूर्व कप्तान अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित बाइचुंग भूटिया ने जोहार सरगुजा से अभिवादन कर खिलाड़ियों में जोश भरते हुए उन्हें कड़ी मेहनत और अटूट संकल्प का मंत्र देते हुए युवाओं को खेल जगत में अपनी पहचान बनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

सिक्किम से सरगुजा तक के अपने सफर का जिक्र करते हुए भूटिया ने कहा कि भौगोलिक दूरियाँ प्रतिभा के आड़े नहीं आतीं। उन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा, मैं सिक्किम के एक बहुत छोटे से गाँव से निकलकर भारत के लिए खेल सका। मेरा गाँव सरगुजा से भी छोटा है। इसलिए यह कभी न सोचें कि आप किसी कोने में हैं, तो प्रोफेशनल खिलाड़ी नहीं बन सकते। अपने मन से यह शंका निकाल दें और खुद पर विश्वास रखें।

सरकार के प्रयासों की सराहना

बाइचुंग भूटिया ने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा खेलों को दी जा रही प्राथमिकता की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने बस्तर ओलंपिक के अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि राज्य सरकार युवाओं को एक सशक्त मंच प्रदान कर रही है। छत्तीसगढ़ सरकार युवाओं और खेल को प्राथमिकता दे रही है। जिससे सुदूर क्षेत्रों के खिलाड़ियों की प्रतिभा मंच मिला है। खेल विधाओं को अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में छत्तीसगढ़ से न केवल राष्ट्रीय खिलाड़ी, बल्कि ओलंपिक मेडलिस्ट भी निकलेंगे।

हार्ड वर्क से मिलेगी सफलता

उन्होंने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि, सरकारी सहयोग और इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ-साथ व्यक्तिगत मेहनत सबसे महत्वपूर्ण है। सफलता के लिए फोकस्ड रहना, ईमानदारी से प्रयास करना और अंतिम तक हार न मानना ही सफलता की असली कुंजी है। उन्होंने कहा कि शासन की इन पहलों का सकारात्मक परिणाम जल्द ही देश के खेल मानचित्र पर दिखाई देगा। उन्होंने छत्तीसगढ़ शासन, खेल युवा कल्याण विभाग एवं जिला प्रशासन को सरगुजा ओलंपिक में आमंत्रित करने के लिए आभार प्रकट किया।

खास-खबर

क्रिकेटर रिंकू सिंह यूपी में अफसर बनेंगे: सीएम योगी देंगे जॉइनिंग लेटर

लखनऊ। क्रिकेटर रिंकू सिंह उत्तर प्रदेश में सरकारी अधिकारी बनेंगे। रिंकू सिंह को क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी और गाजीपुर के राजकुमार पाल पुलिस विभाग में डीएसपी बनेंगे। इसके अलावा, ओलंपिक में पदक जीतने वाले नोएडा के प्रवीण कुमार, इटावा के अजीत सिंह और गाजियाबाद के सुमिरन को पंचायती राज अधिकारी का जॉइनिंग लेटर मिलेगा। वहीं, मुजफ्फरनगर की रहने वाली प्रीतिपाल को खंड विकास अधिकारी बनाया जाएगा। सीएम योगी लखनऊ में मंगलवार शाम 5 बजे क्रिकेटर रिंकू सिंह और हॉकी खिलाड़ी राजकुमार पाल समेत 6 खिलाड़ियों को नौकरी के जॉइनिंग लेटर सौंपेंगे। इनके अलावा, 40 खिलाड़ियों को पुरस्कार भी देंगे।

खैनी थूकने के चक्कर में वंदेभारत एक्सप्रेस से टकराया शख्स, मौत

पटना। बाढ़ रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को रोंगटे खड़े कर देने वाला हादसा हुआ। पटना से हावड़ा जा रही डाउन वंदे भारत एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 22348) की चपेट में आने से वो गंभीर तौर पर घायल हो गया। चूंकि, बाढ़ स्टेशन पर इस प्रीमियम ट्रेन का ठहराव नहीं है, इसलिए ये बिना रुके निकल रही थी। जख्मी को तुरंत स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां से नाजुक हालत देखते हुए उसे पटना रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। हादसे का जो वीडियो सामने आया है, वो विचलित करने वाला है। इसमें साफ दिख रहा है कि व्यक्ति प्लेटफॉर्म की ओर से पटरी की ओर खैनी थूकने की कोशिश कर रहा था। तभी तेज रफ्तार वंदे भारत एक्सप्रेस आ गई। युवक का पूरा ध्यान अपनी धुन में था, जिसके कारण वो मौत की आहट को नहीं पहचान सका।

दिल्ली-विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी:स्पीकर को आया ईमेल

नईदिल्ली। बजट पेश होने से पहले मंगलवार सुबह दिल्ली विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी मिली। विधानसभा स्पीकर विजेंद्र गुप्ता के पास यह धमकी का ईमेल आया था। इसके चलते सुबह 11 बजे शुरू होने वाली सदन की कार्रवाई रोक दी गई थी। स्निफर डॉग और बम स्क्वायड समेत जांच एजेंसियों की टीम मौके पर पहुंची। हालांकि, सर्च ऑपरेशन में कुछ संदिग्ध नहीं मिला। इसके बाद बजट सत्र की कार्रवाई आधे घंटे की देरी से शुरू हुई। दिल्ली पुलिस ने बयान जारी कर कहा कि बम डिटेक्शन टीम ने विधानसभा की गहनता से जांच की। कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला : भारतीय सेना की महिला अफसरों को परमानेंट कमीशन

कोर्ट ने कहा- 20 साल की न्यूनतम सेवा पूरी मानी जाएगी, इन्हें भी मिलेगा लाभ

नईदिल्ली ए.। भारतीय सेना में शॉर्ट सर्विस कमीशन के तहत सेवा देने वाली महिला अधिकारियों के लिए सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने सेना में महिलाओं के खिलाफ होने वाले प्रणालीगत भेदभाव को स्वीकार करते हुए अपनी विशेष संवैधानिक शक्तियों (अनुच्छेद 142) का इस्तेमाल किया। कोर्ट ने उन महिलाओं के पक्ष में फैसला दिया जिन्हें स्थायी कमीशन से वंचित रखा गया था।

जस्टिस सूर्यकांत, उज्जल भुयान और एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने कहा कि इन अधिकारियों की 20 साल की न्यूनतम सेवा पूरी मानी जाएगी, भले ही वे इससे पहले ही सेवा से बाहर हो गई हों। बेंच ने केंद्र सरकार को आगे के लिए साफ और पारदर्शी चयन प्रक्रिया अपनाने और मूल्यांकन के सभी नियम पहले से बताने का निर्देश दिया, ताकि भविष्य में भेदभाव न हो।

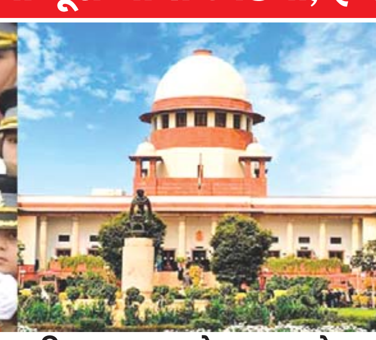

दरअसल यह विवाद तब शुरू हुआ जब कई महिला अधिकारी जिनमें 'ऑपरेशन सिंदूर' का हिस्सा रहीं जांबाज अधिकारी भी शामिल थीं, उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने आरोप लगाया कि सुप्रीम कोर्ट के पिछले स्पष्ट आदेशों के बावजूद केंद्र सरकार और सेना स्थायी कमीशन देने में पुरुषों के मुकाबले उनके साथ भेदभाव कर रही है। इसी याचिका पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने अब यह महत्वपूर्ण निर्णय दिया है।

किन पर लागू होगा यह आदेश?

यह फैसला उन महिला अधिकारियों के लिए एक बार का उपाय के रूप में आया है जो कानूनी लड़ाई के दौरान सेवा से मुक्त हो गई थीं। ध्यान देने वाली बात यह है कि यह आदेश जेएजी और एईसी कैडर की महिला अधिकारियों पर लागू नहीं होगा। साथ ही, कोर्ट ने भविष्य में निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए चयन के तरीकों की समीक्षा करने का भी निर्देश दिया है।

धर्मांतरण करने पर खत्म होगा एसटी एक्ट

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट फैसले को कायम रखते हुए कहा है कि धर्म परिवर्तन करने वाला व्यक्ति अनुसूचित जाति का दर्जा पूरी तरह से खो देता है। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि अगर कोई व्यक्ति ईसाई धर्म अपना लेता है और ईसाई धर्म के अनुसार जीवन जी रहा है तो उसे अनुसूचित जाति का व्यक्ति नहीं माना जा सकता। अदालत ने कहा कि हिंदू धर्म, सिख धर्म और बौद्ध धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म को मानने वाला व्यक्ति अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने कहा सांविधानिक आदेश, 1950 में साफकहा गया है कि खंड-3 में बताए गए धर्मों के अलावा किसी भी धर्म में धर्मांतरण करने पर जन्म के बावजूद, अनुसूचित जाति का दर्जा तुरंत समाप्त हो जाता है।

सीजी 12वीं बोर्ड की हिन्दी परीक्षा रद्द, 10 अप्रैल को होगा एग्जाम

- पेपर लीक की आशंका के बीच माशिमं का फैसला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल ने पेपर लीक की आशंका के कारण कक्षा 12वीं की हिन्दी परीक्षा को रद्द कर दिया है। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल ने इस संबंध में सोमवार को नोटिफिकेशन जारी कर इसकी जानकारी दी है। आदेश में कहा गया है कि 14 मार्च 2026 को आयोजित हिन्दी विषय की परीक्षा अब अमान्य मानी जाएगी। 10 अप्रैल 2026 को 12वीं बोर्ड की हिन्दी परीक्षा दोबारा ली जाएगी।

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा जारी आदेश में कहा गया कि 14.03.2026 को कक्षा 12वीं की विषय हिन्दी के परीक्षा सम्पन्न की गई। 15 मार्च 2026 एवं 16 मार्च 2026 को सोशल मीडिया एवं समाचार पत्रों में उक्त विषय के सेट 'बी' के प्रश्नपत्र लीक होने का दावा किया गया। इन दावों की जांच के लिए साइबर थाने में लिखित सूचना तथा सिटी कोतवाली में एफआईआर दर्ज की गई। तत्संबंध में परीक्षा समिति की बैठक 23 मार्च को हुई। बैठक में लिये गये निर्णयानुसार कक्षा 12वीं की विषय हिन्दी की 14 मार्च 2026 को सम्पन्न परीक्षा निरस्त की जाती है तथा उक्त परीक्षा दिनांक 10 अप्रैल 2026 को पुनः आयोजित की जायेगी।

दिल्ली के लिए 1 लाख 3700 का बजट पेश:10वीं की मेरिट में आने वाले विद्यार्थियों को मिलेंगे लैपटॉप

नईदिल्ली ए.। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 का बजट पेश किया। इस बार सरकार ने 1 लाख 3 हजार 700 करोड़ रुपए का बजट पेश किया है। सीएम ने अपने संबोधन में कहा कि इस बजट को लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए 'ग्रीन बजट' के रूप में तैयार किया गया है। इसी के तहत कुल बजट का 21 प्रतिशत हिस्सा पर्यावरण के लिए निर्धारित किया गया है।

बजट में एजुकेशन के लिए 19 हजार करोड़ का आवंटित किए गए हैं। नई योजना में 10वीं क्लास में मेरिट में आने वाले में सभी स्टूडेंट्स को लैपटॉप दिया जाएंगे। वहीं, 9वीं क्लास में पढ़ने वाली सभी बच्चियों को मुफ्त साइकिल दिए जाने की घोषणा की गई है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के लिए 5,921 करोड़ रुपए का फंड आवंटित किए गए हैं। इसमें शहरी विकास के लिए 7,887 करोड़, यमुनानगर के लिए 300 करोड़, झुग्गी विकास के लिए 800 करोड़, ग्रामीण विकास के लिए 787 करोड़ और विकास विभाग के लिए 914 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

पेड़ से टकराई तेज रफ्तार बाइक, दो की हालत गंभीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी टाउनशिप में मंगलवार की सुबह बाइक सवार पेड़ से टकरा गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। वहीं बाइक सवार दो किशोर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे लोगों की मदद से दोनों घायलों को तुरंत सेक्टर-9 अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार सेक्टर 4 चौक में मंगलवार सुबह एक तेज रफ्तार केटीएम बाइक चौक में मोड़ के पास पेड़ से जा टकराई। पुलिस के अनुसार बाइक चला रहा किशोर सेक्टर-3 का रहने वाला है और वह 10वीं कक्षा का छात्र है। उसका पिता केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) का जवान है। बाइक के पीछे उसका दोस्त बैठा था, जो रिसाली का रहने वाला है। हादसे में घायल दोनों किशोरों के नाम दिव्या कुमार और अक्षत चंद्राकर बताए जा रहे हैं।

सीएसपी भिलाई नगर सत्य प्रकाश तिवारी ने बताया कि घटना सुबह टाउनशिप क्षेत्र के सेंट्रल एवेन्यू रोड पर हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बाइक काफी तेज रफ्तार में थी। अचानक संतुलन बिगड़ने से बाइक सीधे सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। बाइक सवार दो किशोर गंभीर रूप से घायल हो गए।

कोलंबिया में वायुसेना का विमान क्रैश, 66 की मौत

- 114 कोलंबियाई सैनिक और 11 क्रू मेंबर थे सवार

बोगोटा ए.। कोलंबिया में सोमवार को एयरफोर्स का हरक्यूलिस सी-130 विमान टेक-ऑफ के दौरान क्रैश हो गया। हादसे में अब तक 66 लोगों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा घायल हो गए। जबकि 4 सैनिक अभी भी लापता है।

एक सैन्य अधिकारी ने बताया कि 58 सैनिक, छह वायुसेना कर्मी और दो पुलिस अधिकारी मारे गए हैं। यह हादसा पेरू सीमा के पास दक्षिणी अमेजन क्षेत्र के प्यूर्टो लेगुइजामो में हुआ। रक्षा मंत्री पेड्रो सांचेज ने बताया कि विमान रनवे से करीब 1.5 किलोमीटर दूर जाकर गिरा। विमान में 114 सैनिक और 11 क्रू मेंबर सवार थे। कोलंबिया की सेना ने बताया कि इस हादसे में करीब 80 सैनिकों के मारे जाने की आशंका है।

कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने सैन्य विमान हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर हादसा है। ऐसी घटना नहीं होनी चाहिए थी और जवानों की सुरक्षा सबसे जरूरी है। सरकार सेना को मजबूत बनाने और बेहतर सुविधाएं देने पर काम कर रही है, ताकि आगे ऐसे हादसे न हों। पेट्रो ने कहा कि सेना के हथियार और संसाधनों को आधुनिक बनाने का फैसला पहले ही लिया जा चुका है, लेकिन प्रशासनिक देरी के कारण इसे लागू नहीं किया जा सका।

वाराणसी में खाना बनाते समय सिलेंडर फटा, भाई-बहन की मौत

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में मंगलवार सुबह साढ़े 7 बजे खाना बनाते समय गैस सिलेंडर फट गया। धमाके से पूरा मकान ढह गया। हादसे के वक्त घर में परिवार के 4 लोग मौजूद थे। भाई-बहन की मौत हो गई। जबकि मां और बड़ा भाई मलबे में दब गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने रेस्क्यू कर उन्हें बाहर निकाला और बीएचयू ट्रामा सेंटर में भेज दिया।

धमाका इतना भीषण था कि आसपास के कई मकानों में दरारें आ गईं। लोग घरों से बाहर निकल आए। भागकर मदद के लिए पहुंचे। हादसे में ओम कुमार चौधरी (31) और उसकी बहन प्रीति उर्फलक्ष्मी (28) की मौत हुई है। वहीं, मां गिरिजा देवी (60) और बड़ा भाई अमन चौधरी (33) की हालत गंभीर है। घटना काशी विश्वनाथ मंदिर से 7 किलोमीटर दूर लहरतारा इलाके में हुई। मौके पर एसडीआरएफ की टीम भी पहुंची है। जेसीबी की मदद से मलबा हटाया जा रहा है।

एडीसीपी वरुणा जोन नीतू कादयान ने बताया- एक मंजिला मकान गिरने की सूचना मिली थी। हादसा सिलेंडर फटने की वजह से हुआ। मकान से 4 लोगों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टर्स ने 2 को मृत घोषित कर दिया।

बढ़ते वैश्विक तनाव के बीच रक्षा तैयारियों की समीक्षा, रक्षामंत्री सिंह की अगुवाई में हुई हाईलेवल बैठक

नई दिल्ली ए.। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और बदलते वैश्विक सुरक्षा हालात के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को उच्चस्तरीय बैठक कर देश की रक्षा तैयारियों की समीक्षा की। वहीं पिछले दिनों 22 मार्च को ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सीसीएस बैठक हुई थी, जिसमें ऊर्जा और उर्वरक सप्लाई की समीक्षा की गई थी।

इस बैठक में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह, थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी और डीआरडीओ के चेयरमैन समीर कामत समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान मौजूदा सुरक्षा स्थिति और ऑपरेशनल तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

पश्चिम एशिया संघर्ष का बढ़ता असर

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष अब चौथे सप्ताह में पहुंच चुका है। इससे होर्मुज स्ट्रेट के जरिए होने वाले व्यापार पर असर पड़ा है। 28 फरवरी को अमेरिका और इस्राइल के संयुक्त हमलों में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद तनाव और बढ़ गया। इसके जवाब में ईरान ने खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी और इजरायली ठिकानों को निशाना बनाया, जिससे अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार और वैश्विक आर्थिक स्थिरता पर दबाव बढ़ा है।

संसद में भी गूंजा मुद्दा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को लोकसभा में पश्चिम एशिया की स्थिति को चिंताजनक बताया और इसके भारत पर संभावित प्रभावों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष न केवल आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा, बल्कि मानवीय स्तर पर भी बड़ी चुनौती बन गया है। प्रधानमंत्री ने यह भी रेखांकित किया कि भारत की कच्चे तेल और गैस की बड़ी जरूरतें इसी क्षेत्र से पूरी होती हैं, वहीं यह इलाका वैश्विक व्यापार के लिहाज से भी बेहद अहम है।

संपादकीय

जानलेवा पेयजल

मौतें सबसे स्वच्छ शहर पर कलंक

यह शर्मनाक है कि जिस शहर को पिछले सात सालों से देश के सबसे स्वच्छ शहर का तमगा दिया जा रहा था, वहां पेयजल में सीवर का पानी मिल जाने से एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो जाए। बताया जाता है कि इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति करने वाली पाइपलाइन में सीवर के पानी के रिसाव से हजारों लोगों का जीवन खतरे में पड़ गया। घटनाक्रम के बाद सौ के करीब लोग अस्पताल में भर्ती हुए और सैकड़ों लोग दूषित पेयजल के उपयोग से बीमार हैं। वैसे भी किसी सभ्य समाज में व्यक्ति आत्मग्लानि से यह सुनकर बीमार हो जाएगा कि जिस पानी को उसने उपयोग किया, उसमें सीवर का गंदा पानी मिला था। निस्संदेह, यह गंभीर प्रशासनिक लापरवाही ही है, जिसके चलते हजारों लोगों का जीवन संकट में पड़ गया। नगर निगम ही नहीं, इस महकमे से जुड़े सभी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। दरअसल, इंदौर लगातार भारत के सबसे स्वच्छ शहर का दर्जा हासिल करता रहा है तो इस दुर्घटना ने पूरे प्रकरण को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मीडिया की सुर्खी बना दिया। इस दुखद स्थिति के चलते मानवाधिकार आयोग और मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय को हस्तक्षेप करने के लिये बाध्य होना पड़ा। विडंबना यह है कि नागरिकों ने पहले ही दूषित पेयजल आपूर्ति की शिकायत की थी, लेकिन नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिये जवाबदेह अधिकारी तब हरकत में आए, जब कई लोगों की जान जा चुकी थी। यहां तक कि इस निर्वाचन क्षेत्र के प्रतिनिधि और राज्य के नगरीय विकास मंत्री, जिनके अधीन पेयजल आपूर्ति का महकमा आता है, उनकी संवेदनहीन बयानबाजी ने लोगों का आक्रोश बढ़ाया है। हालांकि, तल्ख आलोचना के बाद मंत्री ने खेद जताया है। यहां तक कि इस घटना के बाद मध्यप्रदेश की मुख्यमंत्री रह चुकी वरिष्ठ भाजपा नेत्री उमा भारती ने भी दोषियों से प्रायश्चित करने व दंड देने की मांग की है। लेकिन सवाल यह है कि क्या कुछ छोटे स्तर के अधिकारियों के निलंबन और स्थानांतरण से इन मौतों के लिये जिम्मेदार लोगों का प्रायश्चित हो पाएगा?

" नगर निगम ही नहीं, इस महकमे से जुड़े सभी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। दरअसल, इंदौर लगातार भारत के सबसे स्वच्छ शहर का दर्जा हासिल करता रहा है तो इस दुर्घटना ने पूरे प्रकरण को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मीडिया की सुर्खी बना दिया। इस दुखद स्थिति के चलते मानवाधिकार आयोग और मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय को हस्तक्षेप करने के लिये बाध्य होना पड़ा। विडंबना यह है कि नागरिकों ने पहले ही दूषित पेयजल आपूर्ति की शिकायत की थी, लेकिन नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिये जवाबदेह अधिकारी तब हरकत में आए, जब कई लोगों की जान जा चुकी थी।

लेकिन विडंबना है कि यह समस्या केवल इंदौर तक ही सीमित नहीं है, बल्कि देश के छोटे-बड़े शहरों में गाहे-बगाहे दूषित जल आपूर्ति के मामले प्रकाश में आते रहे हैं। दुर्घटना के बाद जांच समितियों का गठन, मुआवजे की घोषणा और कनिष्ठ अधिकारियों का निलंबन मामले में लीपापोती का उपक्रम बन चुका है। नववर्ष की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'सुधार, क्रियान्वयन और रूपांतरण' के मंत्र पर जोर दिया था। तब उन्होंने प्रक्रियाओं को सरल बनाने और जीवनयापन को सुगम बनाने के लिये प्रणालियों को अधिक अनुकूल बनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया था। सवाल है कि जब नागरिकों को स्वच्छ हवा और जल जैसी बुनियादी आवश्यकताओं से वंचित रखा जाएगा तो जीवनयापन को सुगम कैसे बनाया जा सकता है? मध्य प्रदेश की दोहरे इंजन वाली सरकार इस मोर्चे पर पूरी तरह से विफल रही है। कोई भी बड़ी योजना व नारा तब तक अर्थहीन है जब तक उन्हें जमीनी स्तर पर ठोस कार्रवाई का समर्थन प्राप्त न हो। सर्वोच्च न्यायालय ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार अनुच्छेद-21 के तरह जीवन के मौलिक अधिकार का हिस्सा है। इंदौर की त्रासदी दर्शाती है कि शहरी बुनियादी ढांचे के खराब रखरखाव के कारण इस अधिकार का उल्लंघन कितनी आसानी से हो सकता है। निष्कर्ष यह भी है कि स्वच्छता रैंकिंग, स्मार्ट सिटी के दावे और शासन संबंधी नारे व्यवस्थागत नाकामी को छिपा नहीं सकते। इंदौर की घटना के बाद देश के सभी राज्यों में संबंधित विभागों व स्थानीय निकायों को पेयजल से जुड़ी व्यवस्था का ध्यान रखना होगा कि कहीं पेयजल आपूर्ति लाइन जर्जर होकर दूषित पानी से तो नहीं मिल रही है। पेयजल आपूर्ति करने वाली मुख्य पाइप लाइनों का नियमित रूप से अवलोकन होना चाहिए। इस बाबत मंत्रालय और निकाय के अधिकारियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। ऐसे गंभीर मामलों में लापरवाही के दोषियों को सख्त सजा देने का भी प्रावधान होना चाहिए। यह मामला गैर इरादतन हत्या जैसा भी तो है।

संतुलन के लिए जरूरी रणनीतिक दिशा तय करना

गुरुबचन जगत

जून, 1914 में ऑस्ट्रिया के आर्कड्यूक फ्रांज़ फर्डिनेंड की हत्या उन मुख्य घटनाओं में से एक मानी जाती है जिनके परिणाम में प्रथम विश्वयुद्ध शुरू हुआ। इस युद्ध में अंतर्निहित बड़ा कारण था कि 'केंद्रीय शक्तियां' (जर्मनी, ऑस्ट्रिया-हंगरी और ओटोमन साम्राज्य) दुनियाभर में साम्राज्यवादी विस्तार और औपनिवेशीकरण करने की दौड़ में देर से शामिल हुईं, जिसमें ब्रिटेन व फ्रांस वर्चस्व कायम कर चुके थे।

कैसर विल्हेम द्वितीय के नेतृत्व में जर्मनी ने साम्राज्य स्थापना की महत्वाकांक्षा पाली थी,और इसी के चलते तनाव-संघर्ष की स्थिति पैदा हुई। बाकी सब इतिहास है। चार साल (1914-18) चले युद्ध में सैन्य व नागरिक हताहतों की संख्या 1.5 से 2.2 करोड़ होने का अनुमान है। वर्साय संधि पर हस्ताक्षर के साथ युद्ध औपचारिक रूप से खत्म हो पाया। लेकिन दुखद, इंसान की स्मृति इतनी कमज़ोर कि शायद ही कोई साल गुज़रता हो जब विश्व में कहं न कहीं हिंसा न भड़कती हो।

व्यक्तियों की तरह, गरीब देश भी आपस में नहीं लड़ते-सिवाय कुछ मामलों के जहां विकास अभी कबीलाई चरण में है। अमीर, विकसित और सैन्य रूप से शक्तिशाली देश ही परस्पर लड़ते हैं, या फिर गरीब लेकिन प्राकृतिक संसाधन समृद्ध राष्ट्रों को उपनिवेश बनाने की कोशिश करते हैं। धर्म व नस्ल की इसमें अहम भूमिका हैं-अमूमन छद्म रूप में। किसी इंसान या देश को आखिर कितनी ज़मीन चाहिए? क्या यह कभी काफी रही? या फिर यह कि आप जितने अधिक शक्तिशाली होते हैं, लालसी उतनी ही बढ़ती जाती है?

प्रथम विश्व युद्ध के बाद, जर्मनी, जापान और इटली ('धुरी की शक्तियां') अपने विशाल संसाधन के बूते धीरे-धीरे शक्तिशाली राष्ट्रों के रूप में उभरे; लेकिन इसके बावजूद उन्होंने यूरोप, उत्तरी अफ्रीका, प्रशांत द्वीपों और एशिया को जीतने का प्रयास किया। शक्तिशाली देशों को सदा प्रगति की ज़रूरत रहती है; यथास्थिति कभी पर्याप्त नहीं रही। उन्हें और भूमि व संसाधन चाहिए होते हैं, लूटने के लिए और धन व गुलाम बनाने को और अधिक स्त्री-पुरुष चाहिए होते हैं। इसी कारण द्वितीय विश्वयुद्ध छिड़ गया, जिसमें करोड़ों जानें गई और शहर और देश तबाह हुए। द्वितीयविश्व युद्ध में हुआ नुकसान प्रथम विश्वयुद्ध के मुकाबले कहीं अधिक था।

आज दौड़ दुर्लभ भू-खनिजों, आपूर्ति श्रृंखलाओं और इनके खनन, प्रसंस्करण से चुंबक बनाने की पूरी मूल्य श्रृंखला को सुरक्षित करने की लगी है। अमेरिका और चीन जैसी विशाल अर्थव्यवस्थाओं को इनकी ज़रूरत है, ठीक वैसे ही जैसे उन्हें अपने बड़े-बड़े डेटा सेंटर चलाने के लिए बेतहाशा ऊर्जा चाहिये। चूंकि हर चीज़ को जीडीपी वृद्धि के रूप में आंका जाता है, इसलिए कंपनियों के लिए ग्रोथ ज़रूरी है और मुकाबला बहुत कड़ा, गलाकाट है। निजी उद्योग से शुरू हुआ यह मामला धीरे-धीरे सियासी अखाड़े में फैल जाता है और जल्द ही सेनाएं भी आकर शामिल हो जाती हैं।

'कटिंग ऑफ द चाईनीज़ मेलन' (चीन को कब्जाने की तत्कालीन औपनिवेशिक ताकतों में होड़) से लेकर 'स्क्रैम्बल फॉर अफ्रीका'(अफ्रीकी देशों को गुलाम बनाने की दौड़) तक, इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है जब बड़ी ताकतों ने अपनी ज़रूरतें पूरी करने को कमज़ोर देशों की अर्थव्यवस्थाओं और संसाधनों को आपस में बांट लिया। रूस, जिसके पास असीम भूमि है, यूक्रेन को पाना चाहता है—जिसे उसने सोवियत संघ के विघटन के साथ खो दिया था। यूक्रेन अपने मानव संसाधन, ज़मीन, परमाणु स्रोत और समुद्र तक पहुंच मार्ग के मामले में बहुत समृद्ध है, और रूस इसे पाना चाहता है। हमला करने का मौका तब मिला जब आशंका फलीभूत हुई कि नाटो यूक्रेन के जरिए रूस बॉर्डर तक प्रभाव बढ़ाना चाहता है। नाटो को भी यूक्रेन में वैसा ही मौका दिखा और वह भी उसके संसाधनों को बांटना चाहता है, जिसमें अमेरिकी स्पष्ट रूप से युद्ध का हर्जाना मांग रहा है। तरीका व परिणाम वही पुराना, युद्ध का तांडव।

वेनेजुएला, अपने विशाल तेल भंडारों के साथ, अमेरिका के लिए आसान शिकार रहा। क्यूबा और ग्रीनलैंड अब सूची में अगले क्रम में हैं। वहीं इस्राइल मध्य-पूर्व को मर्ज़ी मुताबिक ढालना चाहता है, वहीं ईरान की अपनी योजना है। जैसे रूस ने यूक्रेन पर पूर्व-हमला कर दिया था, वैसे ही अमेरिकियों-इस्राइलियों ने ईरान को न्यूक्लियर बम और इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल निर्माण से रोकने को उस पर वार किया।

तेल समृद्ध खाड़ी देश सुरक्षा के लिए अमेरिका पर निर्भर हैं और इसलिए नुकसान झेल रहे हैं, वैसे ही जैसे ईरान की अप्रत्याशित युद्ध नीति व प्रतिक्रिया के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था हानि झेल रही है। बीते जमाने में, युद्ध थमने के बाद संधियों और संगठनों के जरिये आशा की किरण जगी : बतौर लीग ऑफ नेशन्स के उत्तराधिकारी राष्ट्र संघ की स्थापना अंतर्राष्ट्रीय शांति व सुरक्षा यकीनी बनाए रखने के उद्देश्य से हुई; द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद यूरोप और जापान के पुनर्निर्माण में मदद के लिए विश्व बैंक समूह (पूर्व में अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण व विकास बैंक) की स्थापना की गई; व्यापार में अड़चनें कम करने को विश्व व्यापार संगठन (मूलतः जीएटीटी, टैरिफ एवं व्यापार पर सामान्य संधि) बनाया; अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा प्रणाली की स्थिरता के लिए अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष बनाया गया; विश्व स्वास्थ्य संगठन का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य का समन्वय था; लंबी सूची में यूनिसेफ यूनेस्को, आदि कई संगठन, संस्थान हैं, जिनके जरिये तत्कालीन नेतृत्व ने अतीत की गलतियां व भूलें सुधारने का प्रयास किया।

इस घटनाक्रम में महान नेतृत्व भी पाया- हैरी एस. ट्रूमैन ने यूरोप के पुनर्निर्माण के लिए मार्शल प्लान लागू किया और द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद अमेरिका का नेतृत्व किया। ब्रिटेन के विंस्टन चर्चिल ने न केवल युद्ध के दौरान नेतृत्व किया, बल्कि युद्धोत्तर व्यवस्था के गठन में अहम भूमिका निभाई, जिसमें उनके द्वारा गढ़ा 'आयरन् कर्टेन' विशेषण भी शामिल है। चार्ल्स डी गॉल ने पांचवें गणराज्य की स्थापना की और फ्रांस को एक पराजित राष्ट्र से यूरोप की मुख्य शक्ति में बदला। जोसेफस्टालिन ने सोवियत संघ को महाशक्ति बनाने में नेतृत्व किया,वहीं युद्धोत्तर पुनर्निर्माण व पूर्वी धड़े की स्थापना में योगदान दिया। उनकी राजनीतिक विचारधाराएं भिन्न थीं, लेकिन वे अपने-अपने देशों के महान नेता थे। आज, लगता है कि दुनिया 20वीं सदी के आरंभिक दौर में लौट गई है, जहां नेता दूसरे देशों को 'हड़पने' और 'नष्ट करने' की बातें कर रहे हैं-हमारे समय का नैतिक मार्गदर्शन कहां गया? उपरोक्त अधिकांश संगठनों को कमजोर होने दिया गया और आज वे अपने पूर्व स्वरूप का ढांचा व परछाई मात्र हैं। अमेरिका पूर्ण वर्चस्व दिखा रहा और सदियों पुराने नाटो सहयोगियों तक को मान्यता से इनकार कर रहा है। वैश्विक व्यापार समझौते बीते जमाने की बात हो गए, क्योंकि अमेरिका एकतरफा टैरिफ लगा रहा और अलग-अलग देश अस्तित्व की खातिर व्यापारिक गठबंधन बना रहे हैं। चीन और रूस अपनी अलग धुन पर चल रहे और दुनिया के हिस्से हथिया रहे हैं। फिर तकनीक विशेषज्ञ विशाल कंपनियों के बड़े-बड़े धन्ना सेठ हैं जिनके पास निजी सोच लागू करने के लिए अकल्पनीय पैसा और संसाधन हैं... सत्ता चंद लोगों के हाथों में सिमट गई, जैसा पहले कभी नहीं हुआ। जैसा कि लॉर्ड एक्टन ने कहा था, 'सत्ता भ्रष्ट करती है और निरंकुश सत्ता पूरी तरह भ्रष्ट कर देती है'। एपस्टीन फाइलों में नामों की सूची नैतिक पतन दर्शाती है। देशों के बीच फिर संतुलन स्थापना की ज़रूरत है।

जैसे-जैसे बड़ी ताकतें अपने खेल खेलेंगी, वे दूसरे देशों को भी युद्ध के भंवर में खींच लेंगी। समय आ गया कि हम पुराने सहयोगियों को ध्यान में रख अपनी रणनीतिक दिशा तय करें और देश को सुरक्षित रखने को नए गठबंधन भी बनाएं। भारत ने सदा अंतर्राष्ट्रीय राय व दिशा तय करने में क्षमता से कहीं ज़्यादा जाकर भूमिका निभाई। आज, हमें संतुलन स्थापना की अपनी पुरानी आवाज़ और नैतिक ईमानदारी ढूंढ़नी होगी, सुनिश्चित करना होगा कि यह देश के अंदर और विदेशी संबंधों, दोनों में ही गूंजे। मुश्किलों भरे मौजूदा समय से पार पाने को यह करना बहुत ज़रूरी है, क्योंकि क्षेत्रीय संघर्ष और युद्ध के चलते हमारी अर्थव्यवस्था और आंतरिक-बाह्य सुरक्षा, दोनों पर ही खतरा मंडरा रहा है।

लेखक मणिपुर के राज्यपाल एवं जम्मू-कश्मीर में पुलिस महानिदेशक रहे हैं।

विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की रणनीति, नए चेहरों के सहारे सियासी वापसी की कोशिश

इस समय कांग्रेस की अपने दम पर हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में सरकारें हैं। अभी होने जा रहे 5 राज्यों के चुनाव में क्या कहीं उसके जीतने की उम्मीद की जा सकती है? बंगाल में टीएमसी तथा तामिलनाडु में डीएमके की नींव मजबूत बनी हुई है। इसलिए वहां कांग्रेस की दाल गलने का सवाल ही पैदा नहीं होता। इसके बावजूद यदि कांग्रेस असम और केरल में सफलता पाती है तो प्रमुख विपक्षी दल के रूप में उसकी साख बढ़ जाएगी। इन दोनों राज्यों में कांग्रेस एक दशक से सत्ता से बाहर है लेकिन उसने वहां की सरकारों को चुनौती दे रखी है। इन दोनों ही राज्यों में पुराने नेता या ती गुजर गए हैं या प्रभावहीन हो गए हैं अथवा उन्होंने दलबदल कर लिया है, अपने 2022 के उदयपुर घोषणापत्र को लागू करते हुए कांग्रेस ने असम और केरल में नए चेहरे उत्तारने का फैसला किया है। केरल में वी.डी. सतीशन तथा असम में गौरव गोगोई पार्टी का मुख्य चेहरा होंगे। इतने पर भी इन राज्यों की कांग्रेस इकाइयों में भी नई पीढ़ी के नेताओं को जिम्मेदारी सौंपना बाकी है। पार्टी को गुटबाजी की समस्या से भी निपटना होगा, पुराने दशकों में केरल कांग्रेस में एके एंटोनी और चेन्नीथला का आपसी टकराव था। अब केसी वेणुगोपाल अपनी जमीन मजबूत करने में लगे हुए हैं। असम में गौरव गोगोई को भावी मुख्यमंत्री के तौर पर पेश करने से नाराज कांग्रेस के पुराने नेताओं प्रद्युत बारदोलोई व भूपेन बरूआ ने पार्टी छोड़ दी है। कांग्रेस केरल में नायर समुदाय व ईसाईयों के बीच पैर जमाने में लगी है, जबकि असम में वह अब भी हिंदू वोटों के भरोसे है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा बीजेपी में शामिल होने से पूर्व कांग्रेस में थे इसलिए कांग्रेस की रणनीति अच्छी तरह जानते हैं। कांग्रेस असम में अल्पसंख्यकों को साथ में ले रही है। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के रकीबुल हुसैन ने एआईयूडीएफके अजमल को हराकर पाटी में उत्साह भर दिया था। विधानसभा चुनाव में महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे प्रमुख चुनौतियां बने हुए हैं। कांग्रेस को दिखाना होगा कि वह इन समस्याओं को हल करने की कितनी क्षमता रखती है।तामिलनाडु में कांग्रेस ने डीएमके से दूरी बढ़ा ली है। कांग्रेसी नेता मणिकम टैगोर ने स्टालिन सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। स्टालिन ने कांग्रेस की सीटें बढ़ाने से इनकार कर दिया, कग्रिस जूनियर पार्टनर बने रहने को राजी नहीं है। वह अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके से चुनावी गठबंधन कर सकती है। बंगाल में कांग्रेस ने लेफ्ट पार्टियों से गठबंधन तोड़ दिया है। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और लेफ्ट दोनों को एक भी सीट नहीं मिल पाई थी। वहां टीएमसी और बीजेपी के बीच सीधा मुकाबला रहेगा।

परमाणु युद्ध की दहलीज पर खड़ी दुनिया

पश्चिम एशिया में जिस तेजी से सामरिक परिदृश्य बदल रहा है, उससे इजराइल व अमेरिका की ईरान से जंग धीरे-धीरे परमाणु युद्ध की दहलीज पर आ खड़ी हुई है। जिस तरह जंग के 23वें दिन ईरान ने कई इजराइली शहरों पर क्लस्टर बमों की झड़ी लगा दी और उसके डिमोना व अराद जैसे परमाणु शोध के सबसे संवेदनशील शहरों को निशाना बनाया, उससे इजराइल के होश फाख्ता हो गए हैं।

28 फरवरी को जिस आक्रामक तरीके से इजराइल और अमेरिका ने मिलकर ईरान पर महज कुछ घंटों के भीतर 50 हजार करोड़ रुपये से भी ज्यादा के बम बरसाए थे और ईरान के टॉप लीडर अयातुल्ला खामेनेई सहित 9 शीर्ष राजनेताओं और 11 से ज्यादा वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को पहले ही दिन मार डाला था, उससे दुनिया को यह संदेश देने की कोशिश हुई थी कि ईरान के विरुद्ध अमेरिका और इजराइल चंद घंटों में ही जंग खत्म कर देंगे। लेकिन 24वें दिन भी ईरान दोहरी ताकत से पलटवार कर रहा है। अब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और उनकी टीम ईरान से युद्ध विराम करने की बेसब्री से फिराक में है, तब ईरान ने साफ शब्दों में कह दिया कि अगर युद्ध विराम चाहिए तो पहले 6 शर्तें माननी होगी।

ईरान की ये शर्तें हैं भविष्य में दोबारा युद्ध नहीं होगा, इसकी गारंटी दें। मध्य पूर्व में अमेरिका के जो 38 सैन्य ठिकाने हैं, उनको बंद किया जाए, ईरान को इस युद्ध में अब तक हुए सारे नुकसान का मुआवजा देकर भरपाई की जाए, पूरे मध्य पूर्व में चल रहे सभी युद्ध खत्म किए जाएं। होमुंज स्टेट के नए नियम बनाए जाएं, ईरान के खिलाफ मीडियाकर्मियों पर कार्रवाई की जाए, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने गरजकर कहा कि हम किसी भी हमले का न सिर्फ जवाब देंगे बल्कि अगर ईरान के परमाणु ठिकानों की निशाना बनाया गया, तो होमुज स्ट्रेट को पूरी तरह से बंद कर देंगे, जिससे पूरी दुनिया तेल संकट से घिर जाएगी।

डोनाल्ड ट्रंप और उनके मुख्य सलाहकार जेरेड कुशनर और स्टीव विटकॉफ ने वास्तव में ईरान की धमकियों को गंभीरता से लिया है। ट्रंप अपने सलाहकारों के साथ इस बात पर गंभीरता से चर्चा कर रहे हैं कि सीजफायर की कोई राह कैसे निकले? हालांकि उन्होंने ईरान की मुआवजा संबंधी शर्त को न केवल मानने से इनकार कर दिया है बल्कि अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में यह धमकी भी दी है कि अगर 48 घंटों के भीतर ईरान का होमंज स्टेट को लेकर रवैया नहीं बदलता तो उसके ऊर्जा ठिकानों पर बमबारी की झड़ी लगा दी जाएगी, अगर सचमुच ट्रंप पागलपन में उतरे तो सैन्य विशेषज्ञों को शक है कि परमाणु युद्ध भी छिड़ सकता है।

इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी के प्रमुख फातिह बिरोल ने दुनिया को चेतावनी दी है कि ईरान जंग दुनिया की अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा खतरा बन चुकी है। जंग एक सप्ताह भी जारी रही, तो पूरी दुनिया तेल और गैस संकट में फंस जाएगी। इस खतरनाक हो चली जंग पर दखल देना ही होगा और इसमें यूरोप के साथ बड़ी भूमिका भारत की भी हो सकती है। भारत एकमात्र ऐसी बड़ी राजनीतिक ताकत है, जिसके इस युद्ध में शामिल तीनों पक्षों के साथ अच्छे रिश्ते हैं।

अब कमर कसे भारत

ईरान भले दुनिया के दूसरे देशों को इतना महत्व न देता हो, लेकिन पिछले 72 घंटों में ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने प्रधानमंत्री मोदी से न सिर्फ दो बार बात की है बल्कि साफ शब्दों में कहा है कि ब्रिक्स के अध्यक्ष होने के नाते मोदी इस युद्ध को रुकवाने में अपनी भूमिका निभाएं, महत्वपूर्ण बात ये है कि ईरान ने हिंद महासागर में स्थित ब्रितानी और अमेरिका के सैन्य ठिकाने डियागोगार्सिया तक मिसाइल हमला किया है।

लगभग 4000 किलोमीटर दूर डियागोगार्सिया पर उसने जिस तरह बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया है, उससे बात साफ हो गई है कि पूरा यूरोप उसके निशाने की जद में है। इसलिए अब भारत जैसे देश को कूटनीतिक कमर कसकर आगे आना ही होगा ताकि दुनिया युद्ध की आग में राख होने से बच सके।

लेख-लोकमित्र गौतम के द्वारा

दलबदल की सियासत और जनता की खामोशी

केवल तिवारी

चाय के बागान के लिए मशहूर असम में इन दिनों सियासी उबाल जोरों पर है। चुनावी माहौल है। पार्टियों का दौर है। इधर एक ने पार्टी छोड़ी, दूसरा लपकने को तैयार। एक दल से दूसरे दल में जाने की होड़ सी मची है। इस बार पूर्वोत्तर भारत के इस अहम राज्य असम का चुनाव कई मायनों में खास होगा। सीधा मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच है। भाजपा के 'फायर ब्रांड' नेता और राज्य के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के तीखे बोल चर्चा का विषय बनते हैं तो प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई भी निजी टिप्पणियों पर उतर आए हैं। असम के जानकार कहते हैं कि मुकाबला कड़ा है, लेकिन कांग्रेस से छोड़कर जाने वाले नेताओं के कारण इस पार्टी के शीर्ष नेताओं को चिंता में डाल दिया है।

तीसरी बार वापसी की कोशिश कर रही भाजपा के सामने सत्ता विरोधी लहर जैसी चुनौतियां हैं। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं के लगातार दौरों से हिमंता का हौसला बढ़ा है, इसके इतर कांग्रेस ने अपने स्थानीय नेताओं पर ज्यादा भरोसा किया है। यह अलग बात है कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी राज्य का दौरा कर चुकी हैं। कांग्रेस के सामने कई चुनौतियां हैं, लेकिन इनसे निपटने के लिए वह असम जातीय परिषद, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और ऑल पार्टी हिल लीडर्स कॉन्फ्रेंस (एपीएचएलसी) के साथ गठबंधन करके भाजपा का मुकाबला करने की योजना बना रही है। कांग्रेस को अल्पसंख्यक मतदाताओं, विशेषकर बांग्ला भाषी मुसलमानों का समर्थन हासिल हो सकता है, क्योंकि हिमंता अक्सर इनके खिलाफ बयानबाजी करते रहे हैं। यही कारण है कि गोगोई 2024 में सत्तारूढ़ भाजपा की तमाम कोशिशों के बावजूद जोरहाट लोकसभा सीट जीतने में कामयाब रहे। इसके विपरीत भाजपा नीत राजग में असम गण परिषद, यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल और बोडोलैंड पीपुल्स पार्टी शामिल हैं।

भाजपा केंद्रीय चुनाव समिति ने सीएम हिमंता को जलुकबारी सीट से ही इस बार फिर उम्मीदवार बनाया है। सरमा लगातार पांच बार यहां से जीते हैं और अब छठी बार किस्मत आजमा रहे हैं। इसके साथ ही भाजपा के मौजूदा सांसद हितेंद्र नाथ गोस्वामी को जोरहाट विधानसभा क्षेत्र से असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गौरव गोगोई के खिलाफ मैदान में उतारा गया है। असम के प्रत्याशियों के नाम दिल्ली में भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने तय किए। पार्टी अध्यक्ष नितिन नबीन की अध्यक्षता में संबंधित बैठक हुई। यहां उल्लेखनीय है कि इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद रहे।

असम की सियासत में एक रोचक नजारा इस वक्त है। सत्तारूढ़ भाजपा का मुकाबला करने के लिए कांग्रेस के कई चेहरे तो सामने हैं ही, भाजपा में भी अनेक चेहरे पुराने कांग्रेसियों के ही हैं। खुद मुख्यमंत्री सरमा पूर्व कांग्रेसी रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से खटपट के बीच उन्होंने पार्टी छोड़ी, भाजपा का दामन थामा और मुख्यमंत्री बन गये। अभी हाल ही में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन बोरा और तीन अन्य विधायक सत्तारूढ़ दल में शामिल हो गए। बोरा राज्य में बड़ा नाम है और वह बड़े समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं। कांग्रेस अभी इस झटके से उबर भी नहीं पाई थी कि उसके वरिष्ठ नेता एवं लोकसभा सदस्य प्रद्युत बोरदोलोई भाजपा में शामिल हो गये। उन्हें भाजपा ने टिकट भी दे दिया। भाजपा में शामिल हुए असम कांग्रेस के पूर्व नेता प्रद्युत बोरदोलोई और भूपेन बोरा को क्रमशः दिसपुर तथा बिहपुरिया सीट से उतारा गया है। ये प्रत्याशी जिताऊ साबित होंगे या पुरानी पार्टी छोड़ने के कारण जनता उन्हें नकार देगी, यह तो आने वाला समय बताएगा। इसे सियासी बिसात कहें या कुछ और कि बोरदोलोई के भाजपा में जाने से फिर टिकट पाने के बीच ही उनके बेटे प्रतीक ने घोषणा कर दी कि वह अपनी 'मूल' पार्टी कांग्रेस में तो बने रहेंगे, लेकिन मार्गेरिटा सीट से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव नहीं लड़ेंगे। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को इस संबंध में एक पत्र भी लिखा है। यहां गौरतलब है कि खड़गे पार्टी के केंद्रीय चुनाव समिति के अध्यक्ष भी हैं। रोचक है कि कांग्रेस ने अपनी पहली सूची में प्रतीक को मार्गेरिटा सीट से उम्मीदवार नामित किया था। यहीं से उनके पिता चार बार विधायक चुने गए थे। खैर, मुकाबला दोनों के बीच है, लेकिन चेहरे 'कांग्रेसी' ही दिखेंगे। असम के चुनावी 'दलदल' के बीच जनता खामोश है। नेताओं की रैलियों में भीड़ तो जुट रही है, लेकिन यह वोटों में कितना तब्दील होगा, उसका अंदाजा अभी सियासी पंडित नहीं लगा पा रहे हैं। असम विधानसभा की 126 सीटें हैं। इनके लिए एक ही चरण में मतदान नौ अप्रैल को होंगे, जबकि मतगणना अन्य चार राज्यों की तरह चार मई को ही होगी। देखना होगा कि एकमात्र चरण में होने वाले कई महत्वपूर्ण चीजों के लिए मशहूर पूर्वोत्तर के इस अहम राज्य में आखिर सियासी ऊंट किस करवट बैठेगा।

गौरैय्या

आँगन में है नाचती, गौरैया
है नाम।
दाना-पानी डालना, सुंदर है
यह काम।।

फुदक-फुदककर डाल पर,
करती रहती शोर।
बिन इसके सूना लगे,
'सुषमा' सुंदर भोर।।

नीड़ बसेरा खोजती, घने
पेड़ की डाल।
गर्मी से व्याकुल हुई, बहुत
बुरा है हाल।।

छोटी-सी यह पाहुनी,
खतरे में है जान।
संरक्षण अब दीजिए, रखिए
उनका मान।।

बनें घोंसला शोभता, वृक्ष
लगाएँ आप।
फिर से गूँजे आँगना, दूर
सभी संताप।।

गौरैयाँ भी रो रही, कटे वृक्ष
घनघोर।
जंगल झाड़ी अब कहाँ, ढूँठ
पेड़ चहुँओर।।

चहक-महक बिन हो गई,
सूनी हर इक डाल।
इन्हें बचा पाएँ अगर, गूँजे
फिर सुर ताल।।

आओ, सब संकल्प लें, करें
वृक्ष विस्तार।
आएँगी फिर लौटकर,
गौरैया घर-द्वार।

सुषमा प्रेम पटेल, रायपुर

ITR फाइल 500/-

Whatsapp पर बनवाऐं

Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट

CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस

हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।

www.onlytds.com

सम्पर्क – शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए संपर्क करे

Mob.-: 9303289950 7987166110

प्रमुख खबरें

यूथ हॉस्टल में फूलों की होली, फाग गीतों पर थिरके लोग

भिलाई। यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इण्डिया दुर्ग भिलाई इकाई का पारिवारिक होली मिलन समारोह बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। माँ चण्डी मन्दिर परिसर घूँचापाली बागबाहरा में आयोजित समारोह में परम्परा से हटकर फूलों की होली खेली गई। अध्यक्ष ऋषि कांत तिवारी ने 30 किलो गेंदा फूल उपलब्ध कराया। सुखबीर सिंह ब्रोका एवं विकास चौधरी के फाग गीतों पर लोग जमकर थिरके। श्रुति चटर्जी ने नृत्य प्रस्तुत किया।

आईकेसीसीएस लिमिटेड सेक्टर-6 का विदाई समारोह

भिलाई। इस्पात कर्मचारी को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लिमिटेड सेक्टर-6 द्वारा फरवरी अथवा उसके पूर्व भिलाई इस्पात संयंत्र की सेवा से निवृत्त हुए सदस्यों को ससम्मान विदाई दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता सोसायटी के अध्यक्ष बृज बिहारी मिश्र ने की। सेवानिवृत्त सदस्यों को सोसायटी में जमा उनकी निधियों का चेक प्रदान किया। इस अवसर पर बृज बिहारी मिश्र ने सभी सम्मानित सदस्यों के स्वस्थ, सुखमय एवं समृद्ध सेवानिवृत्त जीवन की कामना की।

गौरैया दिवस पर पक्षियों के लिए बांटे सकोरे

भिलाई। विश्व गौरैया दिवस पर पर्यावरण प्रेमियों ने पक्षियों की घटती संख्या के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान लोगों को गौरैया संरक्षण के लिए प्रेरित किया तथा सकोरे बांटे गए। समाजसेवी प्रशांत कुमार क्षीरसागर ने नागरिकों से अपील की कि वे अपने घरों में गौरैया के लिए दाना-पानी की व्यवस्था करें, छोटे घोंसले लगाएं और अधिक से अधिक पौधरोपण करें।

सिंटरिंग प्लांट-3 में सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभ; व्यवहारिक सुरक्षा एवं डिजिटल पहल पर दिया जा रहा विशेष जोर

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के सिंटरिंग प्लांट-3 (एसपी-3) में विगत दिनों में सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य महाप्रबंधक (एसपी-3 एवं ओएचपी) सजीव वर्गीस ने की। कार्यक्रम में गणमान्य अतिथि के तौर पर महाप्रबंधक प्रभारी (एसपी-3) राहुल बिजूरकर एवं महाप्रबंधक (सेफ्टी इंजीनियरिंग विभाग) जे. तुलसी दासन उपस्थित रहे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में संयंत्र के अधिकारी, कर्मचारी एवं महिला-पुरुष ठेका श्रमिक उपस्थित रहे।

विभागाध्यक्ष (एसपी-3) द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 की सुरक्षा उपलब्धियों एवं नई सुरक्षा पहलों की जानकारी दी गई। साथ ही सुरक्षा सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों की

रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए सभी कर्मचारियों से सक्रिय सहभागिता की अपील की गई।

मुख्य महाप्रबंधक सजीव वर्गीस एवं महाप्रबंधक जे. तुलसी दासन ने कार्यस्थल पर कर्मचारी सहभागिता, व्यवहारिक सुरक्षा तथा आधुनिक डिजिटल सुरक्षा प्रणालियों के प्रभावी उपयोग पर बल देते हुए 'शून्य दुर्घटना' के लक्ष्य को प्राप्त करने की आवश्यकता को रेखांकित किया।

इस अवसर पर सभी को ई-पीटीडब्ल्यू (इलेक्ट्रॉनिक परमिट टू वर्क) प्रणाली के बारे में बताया गया, जो सुरक्षा प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भी सुरक्षा जागरूकता को प्रोत्साहित किया गया, जिसमें स्थायी एवं संविदा कर्मियों द्वारा सुरक्षा विषयक गीत एवं लघु नाटिका प्रस्तुत की गई।

आयुक्त ने किया गौठान का निरीक्षण, खान पान, इलाज की व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश

पशुओं की देखभाल में न हो किसी किस्म की कोताही, हरे चारे का भी करें प्रबंध

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने आज जोन-1 नेहरू नगर अंतर्गत कोसा नाला स्थित गौठान का निरीक्षण किये। निरीक्षण के दौरान उन्होने गौठान में रखे गये पशुओं की खानपान व्यवस्था का जायजा लिया।

निगम आयुक्त ने पशुओं के लिए दाना-पानी की उपलब्धता, स्वच्छता तथा चिकित्सा सुविधाओं का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि पशुओं की देखभाल में किसी प्रकार की लापरवाही न हो और नियमित रूप से उनके स्वास्थ्य की जांच सुनिश्चित की जाए। वर्तमान में व्यवस्था बेहतर है, व्यवस्था को और बेहतर करने कहा गया है।

आयुक्त ने गौठान में साफ-सफाई बनाए रखने, पशुओं के लिए पर्याप्त हरा चारे की व्यवस्था करने तथा समय-समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि गौठान में रखे गए पशुओं के प्रति संवेदनशीलता बरतते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं दुरूस्त रखी जाएं, ताकि पशुओं को असुविधा न हो।

निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त अजय सिंह राजपूत, कार्यपालन अभियंता संजय अग्रवाल, उप अभियंता बसंत साहू, पुरूषोत्तम सिन्हा, रीमा जामुलकर, सहायक राजस्व अधिकारी सुनील जोशी, स्वच्छता निरीक्षक कमलेश द्विवेदी उपस्थित रहे।

तालाबों की सफाई एवं सौंदर्यीकरण कार्य में तेजी

आयुक्त राजीव पाण्डेय के निर्देशानुसार शहर के विभिन्न तालाबों की सफाई एवं सौंदर्यीकरण कार्य तेज कर दिया गया है। इसके लिए निगम द्वारा विशेष सफाई गैंग तैनात कर अभियान चलाया जा रहा है। निगम प्रशासन का उद्देश्य तालाबों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखना है ताकि नागरिकों को स्वच्छ वातावरण मिल सके और जल संरक्षण को भी बढ़ावा मिले। सफाई के दौरान तालाबों में जमा कचरा, गंदगी एवं जलकुंभी को हटाया जा रहा है। आयुक्त ने निर्देशित किया कि सफाई कार्य नियमित रूप से जारी रखा जाए तथा गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। शहर के सभी प्रमुख जलस्रोतों की साफ सफाई प्राथमिकता के आधार पर की जाए। तालाबों में पेंटिंग एवं चित्रकारी का कार्य भी किया जा रहा है। जोन 4 अंतर्गत में सूर्यकुंड तालाब और अन्य तालाबों में सफाई कर चित्रकारी की जा रही है।

भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के आदर्शों पर चलने की शपथ

दुर्ग। शहीद दिवस पर शहर जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग द्वारा शहीद चौक में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कांग्रेसियों ने शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया तथा दो मिनट का मौन रखकर उनके बलिदान को याद किया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने कहा कि शहीदों का बलिदान केवल इतिहास का हिस्सा नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए प्रेरणा है। आज देश को उनके विचारों और आदर्शों की पहले से कहीं अधिक आवश्यकता है।

रेलवे कर्मियों ने बढ़ाया मदद को हाथ, अब शान से उठेगी गरीब की बेटी की डोली

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। रेलवे में कार्यरत दो कर्मियों की पहल पर एक गरीब परिवार की बेटी की डोली शान से उठेगी। खुर्सीपार का यह गरीब परिवार अपनी बेटी की शादी में खर्च करने में असमर्थ था। ऐसे में रेलवे में कार्यरत जे डी खान और दीपक कुमार ने जरूरी मदद कर मानवता की मिसाल पेश की है। खुर्सीपार में यह विवाह समारोह 24 मार्च की शाम को होना है। जे डी खान और दीपक कुमार ने बताया कि सरकारी नौकरी में अपने कर्तव्य के साथ-साथ समाज के प्रति भी अपनी जिम्मेदारी का समय-समय पर बखूबी निर्वहन करते रहे हैं। इसके पहले भी दोनों दोस्त हर साल गरीब बेटियों की शादी में दानदाताओं की मदद से राशन सामग्री देकर मदद करते हैं।

पित्त की नली से निकाली 3 सेमी की पथरी

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। पित्त की नली में पथरी का जाकर फंस जाना कोई नई बात नहीं है। पर जब पथरी इतनी बड़ी हो तो ताज्जुब तो होता ही है। हाइटेक सुपर स्पेशालिटी हॉस्पिटल के गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट डॉ आशीष देवांगन ने बताया कि यह उनके कम्पूर्ण करियर में सामने आई अब तक की सबसे बड़ी पथरी थी।

59 वर्षीय यह मरीज राजनांदगांव से पहुंचा था। उसे कुछ दिनों से पेट में असहनीय दर्द था। पीलिया भी बढ़ा हुआ था। जांच करने पर उनकी पित्त की नली में बड़ी सी पथरी दिखाई दी। पथरी

का आकार लगभग 30 मिली मीटर गुणा 20 मिली मीटर था। पित्त की पथरी आम तौर पर पित्ताशय में ही प्रकट हो जाता है। उसे पित्त की थैली के साथ ही निकाल दिया जाता है। पर कभी कभी पथरी वहां से फिसलकर पित्त की नली में आ जाता है। बिना चीर फाड़ किए इसे एंडोस्कोप से निकाला जा सकता है। इस प्रक्रिया को ईआरसीपी कहा जाता है। इस मरीज के लिए भी ईआरसीपी की पद्धति अपनाई गई।

पथरी का आकार बहुत बड़ा होने के कारण उसे भीतर ही तोड़ा जाना बहुत जरूरी था ताकि उसे छोटे-छोटे टुकड़ों में बिना नली को क्षति पहुंचाए निकाला जा सके।

डॉ आशीष देवांगन ने बताया कि काफी मशक्कत के बाद पथरी को सफलतापूर्वक निकाल दिया गया। अब मरीज पूरी तरह ठीक है। पीलिया भी उतर चुका है। मरीज को एक दिन भर्ती रखने बाद ही छुट्टी दे दी जाएगी।

दुर्ग में दो शिफ्ट में हो रही मवेशियों की धरपकड़

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम क्षेत्रांतर्गत शहर की सड़कों को सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने हेतु आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर अतिक्रमण विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। निगम की टीम द्वारा मुख्य मार्गों, चौक-चौराहों एवं सार्वजनिक स्थलों पर घूम रहे मवेशियों को पकड़ने का कार्य नियमित रूप से दो शिफ्टों में संचालित किया जा रहा है।

निगम द्वारा इस अभियान के तहत काऊ कैचर वाहन की सहायता से मवेशियों को सुरक्षित रूप से पकड़ा जा रहा है, जिससे यातायात बाधित न हो और नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। विशेष रूप से रात्रि के समय होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के उद्देश्य से पकड़े गए मवेशियों को रेडियम पट्टी पहनाई जा रही है, ताकि अंधेरे में भी वे स्पष्ट रूप से दिखाई दे सकें।

इसके अतिरिक्त, नागरिकों से प्राप्त शिकायतों पर भी निगम द्वारा त्वरित कार्रवाई की जा रही है। सूचना मिलते ही संबंधित क्षेत्र में टीम भेजकर मवेशियों को पकड़कर शहर क्षेत्र के पुलगांव स्थित गोठान में सुरक्षित छोड़ा जा रहा है। इस अभियान से शहर में आवारा मवेशियों की समस्या पर नियंत्रण पाने के साथ-साथ सड़क दुर्घटनाओं में भी कमी आने की उम्मीद है। नगर निगम द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने मवेशियों को खुले में न छोड़ें तथा शहर को स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाए रखने में निगम का सहयोग करें।

निगम आयुक्त द्वारा नाला निर्माण का अवलोकन

भिलाई। नगर निगम आयुक्त राजीव पांडेय ने खेल परिसर एवं भेलवा तालाब सर्विस रोड किनारे चल रहे नाला निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था को सुधारना और स्थानीय निवासियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करना है। आयुक्त ने निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस परियोजना का पूरा होना क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा और जल निकासी प्रबंधन में सुधार लाएगा। वर्तमान में कार्य प्रगति पर है और जल्द ही इसे पूरा कर लिया जाएगा। इससे क्षेत्र में जलभराव की समस्या में कमी आएगी।

कचरा फैलाने वाले ठेलों-दुकानों पर अब लगेगा जुर्माना

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल ने अधिकारियों की टीम के साथ वार्ड क्षेत्र का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान शहर के प्रमुख स्थानों राजेन्द्र पार्क चौपाटी, बस स्टैण्ड परिसर क्षेत्र सहित विभिन्न क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था, अतिक्रमण और अव्यवस्था को लेकर सख्त रुख अपनाया गया।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने राजेन्द्र पार्क चौपाटी में गंदगी फैलाने वालों पर तत्काल फाइन लगाने के निर्देश दिए। साथ ही वहां संचालित दुकानों के सामने लगे अतिरिक्त फ्लैक्स (2 नग) को हटाने की कार्रवाई करने को कहा गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक स्थानों की सुंदरता और स्वच्छता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

बस स्टैण्ड रायपुर द्वार क्षेत्र में ठेले संचालकों द्वारा कचरा फैलाने पर नाराजगी जताते हुए सभी

पर जुर्माना लगाने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा बालाजी मोबाइल और पास की चाय दुकान पर भी गंदगी फैलाने के कारण फाइन करने को कहा गया।

निरीक्षण के दौरान बीएसएनएल ऑफिस के पास एक टूटा हुआ पोल पाया गया, जिसे तत्काल हटाने के निर्देश दिए गए। वहीं नलघर कॉम्पलेक्स के सामने पानी के अत्यधिक बहाव को रोकने का निर्देश दिया गया।

बस स्टैण्ड क्षेत्र में स्थित टायर दुकान संचालक को पुराने टायर दुकान के भीतर रखने के निर्देश दिए गए, साथ ही नियमों का उल्लंघन करने पर फाइन करने को कहा गया। इसी क्रम में रोशन होटल द्वारा पानी रोकने के लिए बनाए गए अवैध घेरे को हटाने और जुर्माना लगाने के निर्देश दिए गए। आयुक्त ने रफीक कम्प्यूटराइज्ड-की मेकर द्वारा पेड़ पर लगाए गए विज्ञापन को हटाने और संबंधित संचालक पर फाइन करने को भी कहा। बस स्टैण्ड राजनांदगांव द्वार पर एक फल विक्रेता को बार-बार समझाइश देने के बावजूद नियमों का पालन नहीं करने पर आयुक्त ने उसकी दुकान को स्थायी रूप से हटाने के निर्देश दिए।

आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा कि शहर को स्वच्छ, सुव्यवस्थित और सुरक्षित बनाए रखने के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा। नियमों का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के भाजपा प्रदेश मिडिया प्रभारी बने निशु पाण्डेय

भिलाई। छत्तीसगढ़ भिलाई के नामी कलाकार एवं भाजपा के कार्यकर्ता निशु पाण्डेय को भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने सांस्कृतिक प्रकोष्ठ में प्रदेश मिडिया प्रभारी के रूप में एक बड़ा दायित्व प्रदान किया है। इस दायित्व के लिये निशु पाण्डेय ने प्रदेश नेतृत्वकर्ता के साथ साथ दुर्ग सांसद विजय बघेल एवं जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन का आभार व्यस्त किया है। इस दायित्व को स्वीकारते हुए निशु पांडे ने कहा कि सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक अनुपम पॉल एवं सहसंयोजक शरद श्रीवास्तव ने जो विश्वास जताया है उसके लिए वे उनका आभार व्यस्त करते हैं। वे पूरी निष्ठा एवं लगन से इस दायित्व को निभाएंगे। इस उपलब्धि पर शारदा गुप्ता, भोजराज सिंहा, तुलसी साहू, मेघा कौर, सुदेश मिश्रा, अमिताभ भट्टाचार्य, शैलेन्द्र सिंह, विष्णु मिश्रा, दिनेश पाठक, मदन सेन, ने बधाई दी है।

कल्याण कॉलेज में एनिमल केयर वर्कशॉप, दिए टिप्स

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एनिमल केयर वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इसमें इंसानों से लेकर प्राणियों के लिए फर्स्ट एड की महत्ता के बारे में बताया गया। फर्स्ट एड के कई पहलुओं से प्रैक्टिकल करके सिखाया गया।

कॉलेज के प्राणीशास्त्र विभाग और एनिमल वेलफेयर सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में यह आयोजन किया गया। कार्यशाला में विद्यार्थियों को आपातकालीन परिस्थितियों में प्राथमिक उपचार की व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। बड़ी संख्या में विद्यार्थी, शोधार्थी, प्राध्यापक और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मुख्य अतिथि डॉ. अजय पटेल और पीपल फॉर एनिमल्स के प्रोजेक्ट मैनेजर कुशल गजपाल ने विद्यार्थियों को प्राथमिक उपचार से जुड़ी महत्वपूर्ण तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने

बताया कि दुर्घटना या आपात स्थिति में तत्काल सही प्रतिक्रिया जीवन बचा सकती है। घाव, रक्तस्राव, जलने, फ्रैक्चर जैसी स्थितियों में प्रारंभिक उपचार करने के तरीकों के बारे में बताया गया।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विनय शर्मा ने कहा कि आज के समय में हर विद्यार्थी को फर्स्ट एड का ज्ञान होना आवश्यक है, क्योंकि यह किसी की जान बचाने में सहायक सिद्ध हो सकता है।

एनिमल वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष पार्थ चंद्राकर ने कहा कि फर्स्ट एड केवल एक कौशल नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है। यह कार्यशाला विद्यार्थियों को समाज के प्रति संवेदनशील और उत्तरदायी नागरिक भी बनाती है। उपाध्यक्ष दीपिका ने विद्यार्थियों को सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। सचिव यश प्रदीप घोडके और कमलेश भोई ने कार्यक्रम के सफल संचालन एवं आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यशाला में प्राणीशास्त्र विभाग की अध्यक्ष डॉ. शिप्रा सिन्हा के नेतृत्व में गंगा साहू, दिपांशु तरम सहित विभाग के अन्य सदस्यों का विशेष योगदान रहा। इस दौरान कॉमर्स फैकल्टी के हेड डॉ. सलीम अकील, साइंस फैकल्टी के हेड डॉ. गुणवंत चन्द्रौल, फिजिक्स डिपार्टमेंट की एचओडी डॉ. नीलम शुक्ला, बॉयोटेक्नालॉजी की हेड डॉ. सौम्या खरे, सीनियर फैकल्टी मेंबर डॉ. कविता वर्मा, डॉ. आरती मिश्रा की उपस्थिति रही।

कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों ने व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से फर्स्ट एड तकनीकों को समझा और अभ्यास भी किया। कार्यशाला विद्यार्थियों में सेवाभाव, जागरुकता और आत्मविश्वास को बढ़ाने में सफल रही। विद्यार्थियों ने इस कार्यशाला को ज्ञानवर्धक, बहुपयोगी, जीवनोपयोगी और जीवन रक्षक अनुभव बताते हुए भविष्य में ऐसे और कार्यक्रमों की अपेक्षा की।

Since 1972

CROWN-TV®

Choice Of Millions

Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

महतारी वंदन योजना ने बढ़ाया आत्मविश्वास, संवरने लगा परिवार का भविष्य

रायपुर। राज्य शासन की फ्लैगशिप महतारी वंदन योजना से ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सीधे तौर पर सकारात्मक परिवर्तन ला रही है और उनके परिवार को बेहतर भविष्य की दिशा में आगे बढ़ा रही है। कोरबा जिले के ग्राम पंचायत सुखरीखुर्द की श्रीमती ओमती मन्नेवार और ग्राम पंचायत अमलडीहा की लक्ष्मीन बाई अपने परिवार की जरूरतों को पूरा करने में पहले से कहीं अधिक सक्षम हैं। दोनों महिलाएँ छत्तीसगढ़ शासन की महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त कर रही हैं, जिसने उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना शुरू कर दिया है। ओमती मन्नेवार बताती हैं कि योजना से मिलने वाली राशि घर की आवश्यक वस्तुओं की खरीद, रसोई खर्च और बच्चों की जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण सहारा बन रही है। पहले जहाँ छोटी-छोटी जरूरतों के लिए दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था, वहीं अब यह सहायता उनके लिए भरोसे का आधार बन चुकी है। इसी तरह, लक्ष्मीन बाई भी बताती हैं कि महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि से वे बच्चों के स्कूल से संबंधित खर्च, कॉपी-किताब से लेकर अन्य जरूरी सामग्री आसानी से खरीद पा रही हैं। वे कहती हैं कि इस आर्थिक सहयोग ने उनके जीवन में स्थिरता और राहत की भावना दी है।

वैज्ञानिकों ने किसानों को सिखाई मिलेट्स उत्पादन की आधुनिक तकनीक

जगदलपुर। ग्राम टाकरागुड़ा में अखिल भारतीय समन्वित लघु धान्य फसल अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति उपयोजना के तहत एक दिवसीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वैज्ञानिकों ने किसानों को लघु धान्य (मिलेट्स) की उन्नत खेती और उत्पादन तकनीकों की जानकारी दी। परियोजना समन्वयक डॉ. प्रहलाद नेताम ने चल रहे अनुसंधान कार्यों से अवगत कराया। मुख्य अतिथि डॉ. आरएस नेताम ने मिलेट्स की महत्ता और आधुनिक खेती पद्धतियों पर प्रकाश डाला। अध्यक्षता कर रहे डॉ. ए.के. ठाकुर ने लघु धान्य की उन्नत किस्मों और उनके पोषण लाभ बताए। तकनीकी सत्र में डॉ. एन.सी. मंडावी ने कीट प्रबंधन, डॉ. एन.के. नाग ने उत्पादन तकनीक और डॉ. तेजपाल चन्द्राकर ने मृदा उर्वरता पर जानकारी दी।

मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना में उपभोक्ता को मिला बड़ा लाभ

कोरबा। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी द्वारा राज्य शासन की मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना का लाभ अधिक से अधिक उपभोक्ताओं तक पहुँचाने हेतु सभी वितरण केंद्रों में शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में पाली सब-डिवीजन में आयोजित विशेष शिविर में वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक भीम सिंह कंवर शामिल हुए। प्रबंध निदेशक ने शासन की इस पहल का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। पाली में आयोजित इस शिविर में कुल 20 पात्र उपभोक्ताओं द्वारा रूपये 01 लाख 29 हजार की राशि जमा की गई तथा उन्हें मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना के अंतर्गत रूपये 03 लाख 48 हजार की छूट प्रदान की गई। यह योजना कोरोना महामारी के दौरान आर्थिक संकट से प्रभावित निम्नदाब घरेलू, बीपीएल एवं कृषि उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करने हेतु चलाई जा रही है।

किसानों के विकास के लिए लगातार कार्य कर रही छत्तीसगढ़ सरकार

उपमुख्यमंत्री ने ग्राम बद्दो में किया भोरमदेव सकरी फीडर नहर विस्तारीकरण कार्य का भूमिपूजन, नहर परियोजना से 6 गांवों के किसानों को मिलेगा सीधा लाभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। चैत्र नवरात्रि पंचमी की पावन तिथि के अवसर पर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने कबीरधाम जिले के बोड़ला विकासखंड अंतर्गत वनांचल ग्राम बद्दो में किसानों को बड़ी सौगात दी। उन्होंने 11.49 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले भोरमदेव सकरी फीडर नहर विस्तारीकरण कार्य का विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भूमिपूजन किया। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के पूर्ण होने पर क्षेत्र के 6 गांवों के किसानों को सीधा लाभ मिलेगा।

नहर विस्तारीकरण के माध्यम से लगभग 770 हेक्टेयर कृषि भूमि में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे किसानों की उत्पादन क्षमता में वृद्धि के साथ-साथ उनकी आय में भी बढ़ोतरी होगी। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि भोरमदेव सकरी फीडर नहर के विस्तार से क्षेत्र के हजारों किसानों को बड़ा लाभ मिलेगा। इस नहर से खेतों तक पानी आसानी से पहुंचेगा और खेती में सुधार होगा। उन्होंने बताया कि 770 हेक्टेयर जमीन को स्थायी सिंचाई की सुविधा मिलेगी, जिससे फसल अच्छी होगी और किसानों की आमदनी बढ़ेगी। इससे गांव की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि सरकार का मकसद सिर्फनिर्माण करना नहीं, बल्कि ऐसे काम करना है जिससे किसानों का जीवन बेहतर हो।

उन्होंने कहा कि इस बड़ी परियोजना की शुरुआत यह दर्शाती है कि वर्तमान सरकार वनांचल क्षेत्रों के विकास को प्राथमिकता दे रही है। सरकार लगातार प्रयास कर रही है कि दूरस्थ और पिछड़े क्षेत्रों तक भी विकास की योजनाएं पहुंचे और वहां के लोगों को इसका पूरा लाभ मिल सके। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि भोरमदेव सकरी फीडर नहर के विस्तारीकरण कार्य को सफल बनाने के लिए जन सहयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि इस तरह की बड़ी परियोजनाएं तभी समय पर और बेहतर तरीके से पूरी हो पाती हैं, जब स्थानीय लोगों, विशेषकर किसानों का पूरा सहयोग मिलता है। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि यह नहर उनके ही हित में बनाई जा रही है। सभी गांवों के किसानों की सहभागिता और सहयोग से ही इस परियोजना को तेजी से पूरा किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि जब जनभागीदारी के साथ विकास कार्य होते हैं, तो उनका लाभ भी लंबे समय तक और प्रभावी रूप से मिलता है।

उन्होंने अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण समय सीमा में निर्माण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने जिले में चल रहे विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों की विस्तृत जानकारी भी साझा की। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में सड़क, सिंचाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि हर क्षेत्र में संतुलित विकास हो और गांव-गांव तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचें। इसके लिए कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं और अनेक कार्य तेजी से प्रगति पर हैं।

योजना से बहुउद्देशीय लाभ

इस योजना से 635 हे. क्षेत्र में सिंचाई की कमी की पूर्ति सहित 770 हेक्टेयर रूपांकित क्षेत्र में खरीफ फसलों की सिंचाई होगी। असिंचित क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होने पर कृषि भूमि की दरों में उन्नयन होगा। नहरों के सर्विस बैंक निर्माण से ग्रामीणों को आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी। साथ ही, सिंचाई सुविधा मिलने से किसान अब एक से अधिक फसल लेने में सक्षम होंगे, जिससे उनकी आय में बढ़ोतरी होगी और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। किसानों के लिए दीर्घकालीन रूप से लाभकारी साबित होगी और ग्रामीण विकास को नई दिशा मिलेगी।

योजना से लाभन्वित ग्राम

परियोजना के पूर्ण होने पर बाघुटोला, लाटा, खिरसाली, बद्दो, रघ्घुपारा एवं छपरी सहित कुल 6 ग्रामों के किसानों को सीधा लाभ प्राप्त होगा। इस नहर विस्तारीकरण के माध्यम से लगभग 770 हेक्टेयर कृषि भूमि में खरीफसिंचाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इससे इन गांवों के किसानों को समय पर पानी उपलब्ध होगा, जिससे फसलों की पैदावार में वृद्धि होगी।

नालंदा परिसर के निर्माण से बस्तर के छात्रों को मिलेगी बेहतर सुविधाएं : मंत्री केदार कश्यप

वन मंत्री कश्यप ने शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय परिसर में 'नालंदा परिसर' का किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि नालंदा परिसर के निर्माण से बस्तर के छात्रों को शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ के 14 नगर निगम क्षेत्रों में ऐसे परिसर बनाए जा रहे हैं, जिससे विद्यार्थियों को आधुनिक अध्ययन सुविधाएं उपलब्ध होंगी। केदार कश्यप ने शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय परिसर जगदलपुर में प्रस्तावित 'नालंदा परिसर' का विधिवत भूमिपूजन किया। इस नालंदा परिसर का निर्माण लगभग 11 करोड़ 59 लाख की लागत से किया जाएगा, जिसमें 500 सीटर बैठक व्यवस्था, 24 घंटे सातों दिन पढ़ने की सुविधा, वाई फाई, पार्किंग और गार्डन की सुविधा रहेगी। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि युवाओं से समय का सदुपयोग करते हुए लक्ष्य को प्राप्त करने का आह्वान किया। महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय परिसर में नालंदा परिसर के निर्माण से विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों को भी काफी सुविधा होगी। नालंदा परिसर में स्मार्ट लाइब्रेरी व स्टडी जोन होगा। हजारों किताबों के संग्रह के साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर के ई-बुक एक्सेस करने की भी सुविधा होगी। स्मार्ट लर्निंग पर फोकस होगा। 24-7 वाईफाई और इंटरनेट की सुविधा भी छात्रों को यहां मिलेगी। सिविल सर्विसेज के साथ मेडिकल, इंजीनियरिंग, क्लैट की तैयारी के साथ मैथ्स ओलिंपियाड के लिए भी किताबें यहां होगी। नालंदा परिसर का निर्माण धरमपुरा क्षेत्र में हो आपके विधायक श्री किरण देव लगातार प्रयासरत रहे। नालंदा परिसर के निर्माण से हमारे आने वाली पीढ़ी को शिक्षा क्षेत्र में लाभ होगा। उन्होंने कहा हमारी सरकार की मंशा है कि शिक्षा का स्तर बढ़ाना है।

इस अवसर पर स्थनीय विधायक श्री किरण देव ने कहा कि आज के हमारे युवा साथी भारत वर्ष की नींव है। बस्तर के युवा नालंदा परिसर में पढ़ाई कर अपना भविष्य खुद तय करेंगे। उन्होंने कहा कि प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय विश्व की ख्यातिप्राप्त संस्था रही है और इसी अवधारणा को आगे बढ़ाते हुए नालंदा परिसर का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट है, जिसके तहत प्रदेश के विभिन्न निकायों में निर्माण कार्य जारी है। उन्होंने बताया कि यह परिसर बस्तर के छात्रों की बहुप्रतीक्षित मांग थी, जहां विद्यार्थी 24 घंटे अध्ययन कर सकेंगे और अपने भविष्य को संवार सकेंगे। उन्होंने नालंदा परिसर के निर्माण कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने पर जोर दिया।

कार्यक्रम में अध्यक्ष जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक एवं पूर्व सांसद दिनेश कश्यप, निगम अध्यक्ष खेमसिंह देवांगन, ब्रेवरेज कार्पोरेशन के अध्यक्ष श्रीनिवास राव मद्दी, उपाध्यक्ष श्रीनिवास मिश्रा, निगम आयुक्त प्रवीण वर्मा सहित जनप्रतिनिधि, पार्षदगण, प्रोफेसर एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

एसटी, एससी विभाग के अधिकारी-कर्मचारी को क्षमता निर्माण का प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। केन्द्र एवं राज्य शासन द्वारा प्रशासन में कसावट एवं पारदर्शिता लाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इन प्रयासों में ई-ऑफिस व्यवस्था एवं आधार बेस उपस्थिति प्रमुख है। इसी कड़ी में अब अधिकारी-कर्मचारियों में प्रशासनिक व्यवस्था के प्रति बेहतर समझ एवं अपने कार्य के प्रति अधिक जवाबदेह बनाने के उददेश्य से 'आईजीओटी' कर्मयोगी अभियान प्रारंभ किया गया है। श्रीमती अंजु सिंह, अवर सचिव सामान्य प्रशासन विभाग ने इसी कड़ी में विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया।

अंजू सिंह ने बहुत ही सरल माध्यम से पोर्टल में रजिस्ट्रेशन से लेकर कोर्स के संबंध में पूरी जानकारी दी एवं कर्मचारियों के प्रश्नों का सटिक उत्तर देकर उनकी शंकाओं का भी समाधान किया। आज के प्रशिक्षण सत्र में विभाग अंतर्गत आयोग एवं आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के लगभग 150 से अधिक अधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

नोडल अधिकारी श्रीमती अंजु सिंह ने बताया कि प्रत्येक अधिकारी-कर्मचारी, नियमित वाहन चालक, भृत्य इत्यादि सभी के लिए यह प्रशिक्षण अनिवार्य है। 30 अप्रैल तक सभी को कम से कम तीन कोर्स पूर्ण कर पोर्टल में अपलोड करने हैं। इसकी अहमियत इस कारण है कि यह अधिकारी-कर्मचारी की सर्विस बुक के साथ ई एचआरएमएस पोर्टल में अपलोड रहेगा, जो कि पदोन्नति एवं अन्य सर्विस संबंधी प्रकरणों के समय बहुत उपयोगी सिद्ध होगा।

प्रशिक्षण में अपर संचालक संजय गौड़, जितेन्द्र गुप्ता, विभागीय नोडल अधिकारी उपायुक्त प्रज्ञान सेठ, एल.आर. कुर्रे, मेनका चंद्राकर, विश्वनाथ रेडडी सहित अन्य विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थिति थे।

विभागों से डेटा समन्वय हेतु कार्यशाला सम्पन्न विभागों के डाटा में एकरूपता होना जरूरी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग छत्तीसगढ़ शासन के सचिव भुवनेश यादव की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में कार्यशाला सह बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में राज्य स्तर पर विभागीय आंकड़ों के मानकीकरण एवं प्रशासनिक डेटा लिंकिंग के विषय पर व्यापक चर्चा की गई। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि भारत सरकार के प्रशासनिक सांख्यिकी एवं नीति प्रभाग राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय दिल्ली ने सूचित किया है कि प्रशासनिक डेटा लिंकिंग के विषय पर राष्ट्रीय विचार-विमर्श हेतु शिखर सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। जिसमें राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। सम्मेलन में डेटा सामंजस्य की प्रगति एवं उससे जुड़े विषयों पर चर्चा होगी।

बैठक में आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के सचिव भुवनेश यादव ने विभागों से अपेक्षा की है कि वे शीघ्र ही अपने विभाग की जानकारी उपलब्ध कराऐंगे जिससे डेटा समन्वय की प्रक्रिया को समयबद्ध ढंग से आगे बढ़ाया जा सके।

कार्यशाला में आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग की संचालक श्रीमती रोक्तिमा यादव ने बताया कि विभागों में डाटा के आदान प्रदान से डाटा सिस्टम को मजबूत व्यवस्थित होने के साथ नीति निर्माण में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि डाटा में एकरूपता होने से दोहराव नहीं होगा। जिससे नीतियों, योजनाओं और निर्णयों को सटिक डेटा विश्लेषण के आधार पर लागू किया जा सकेगा।

बैठक में विभागवार डेटा समेकन की संभावनायें, वर्तमान विभागों के पास उपलब्ध डेटा सहित सेवा वितरण, निगरानी एवं प्रशासनिक डेटा समेकन हेतु कार्ययोजना के संबंध में अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया गया। बैठक में राज्य शासन के सभी विभागों के अधिकारी एवं वीडियो कॉन्फ्रेंस से भारत सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अधिकारी शामिल हुए।

सरगुजा ओलंपिक में कोरिया का शानदार प्रदर्शन, 10 स्वर्ण पदक

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरिया। सरगुजा ओलंपिक 2026 में कोरिया जिले के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता का शुभारंभ विगत दिनों मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अंतरराष्ट्रीय कुश्ती खिलाड़ी गीता फोगाट की उपस्थिति में हुआ था।

कोरिया जिले के खिलाड़ियों ने विभिन्न खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 26 पदक अपने नाम किए, जिसमें 10 स्वर्ण, 9 रजत और 7 कांस्य पदक शामिल हैं। खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन और टीम भावना का परिणाम रहा कि जिले ने कई प्रतिस्पर्धाओं में बढ़त हासिल की।

स्वर्ण पदकों में बैडमिंटन अंडर-17 (सिंगल्स व डबल्स बालिका), फुटबॉल सीनियर बालिका, वॉलीबॉल जूनियर बालिका, 200 मीटर व 400 मीटर दौड़, रिले रेस और शॉट पुट जैसी स्पर्धाएं शामिल रहीं। वहीं रजत पदक 100 मीटर दौड़, लंबी कूद, तीरंदाजी, बैडमिंटन, वॉलीबॉल और फुटबॉल में प्राप्त हुए। कांस्य पदकों में 400 मीटर, तीरंदाजी, रिले रेस, कबड्डी, वॉलीबॉल और बैडमिंटन शामिल हैं। इस शानदार उपलब्धि से कोरिया जिले का नाम पूरे प्रतियोगिता में गौरवान्वित हुआ है। कलेक्टर चंदन त्रिपाठी ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि जिले के खिलाड़ियों में जुनून और जीवटता की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि हार से निराश होने के बजाय दोगुनी मेहनत के साथ लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

उद्योग मंत्री देवांगन ने निर्मित डोम का किया लोकार्पण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने कोरबा नगर पालिक निगम क्षेत्र अंतर्गत बुधवारी बाई पास रोड पर स्थित अंजनीकुंज में नवनिर्मित डोम का लोकार्पण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर संजू देवी राजपूत ने की। कोरबा नगर पालिक निगम द्वारा वार्ड क्र 28 बुधवारी बाईपास स्थित अंजनीकुंज श्रीवास नाई समाज भवन परिसर में 30 लाख रुपए की लागत से डोम शेड का निर्माण कराया गया है, जिसे आज जनसेवा में समर्पित किया गया।

इस अवसर पर उद्योग मंत्री देवांगन ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे कोरबा ने एक छोटे से ग्राम पंचायत से आगे बढ़कर जिला एवं ऊर्जा नगरी बनने तक का सफर तय किया है तथा कोरबा का तेजी से विकास हुआ है, उन्होंने कहा कि कोरबा के विकास में यहां रह रहे सर्व समाज के लोगों के साथ-साथ श्रीवास् नाई समाज का भी अहम योगदान व महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अगुवाई में राज्य सरकार समाज के सभी वर्गो के हितों की सुरक्षा के लिए लगातार कार्य कर रही है। गरीब, निर्धन, किसान, मजदूर, युवा वर्ग व महिला सभी के लिए योजनाएं संचालित हो रही है तथा इन योजनाओं से प्रदेश के लाखों, करोड़ो लोग लाभान्वित हो रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में प्रदेश का तेजी से विकास हो रहा है,तथा प्रदेश लगातार विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

श्री देवांगन ने कहा कि कोरबा की जनता का आशीर्वाद मुझे सदैव मिलता आया है, जिसके लिए मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ, तथा विश्वास दिलाता हूँ कि मैं सदैव आपके हर सुख दुख में आपके साथ खड़ा रहूँगा, आप सबकी विकास संबंधी हर माँग पूरी की जाएगी। इस अवसर पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि नगर निगम कोरबा निगम क्षेत्र के विकास के साथ साथ जनसुविधाओ पर विशेष फोकस रखकर कार्य कर रहा है, एक ओर जहाँ वार्ड व बस्तियों में निरंतर विकास कार्य हो रहे है,मूलभूत सुविधाओं में बेहतरी लायी जा रही है, वही दूसरी ओर सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यो पर भी लगातार कार्य हो रहे हैं। उन्होंने श्रीवास समाज को बधाई देते हुए कहा कि इस परिसर में डोम का निर्माण हो जाने से सामाजिक कार्यक्रमो, सभाओ, आयोजनों हेतु एक सुविधा पूर्ण स्थान मिल चुका है।

इस अवसर पर वरिष्ठ पार्षद नरेन्द्र देवांगन ने कहा कि कोरबा के सभी समाज के साथ श्रीवास समाज का भी भरपूर स्नेह व आशीर्वाद हम सबको सदैव मिला है, जिसके लिए मैं हमेशा आभारी रहूंगा, सभी समाज के हित में निरंतर कार्य होंगे, मैं यह विश्वास दिलाता हूँ। इस अवसर पर उद्योग मंत्री देवांगन ने समिति के नवनिर्वाचित पदाधिकारियो को शपथ दिलाई। समाज के लोगों ने मंत्री देवांगन एवं महापौर राजपूत का शाल श्री फल से स्वागत किया तथा महामाला पहनकर उनका अभिनंदन किया।

पीएम जनमन आवास से जीवन में आई नई रोशनी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य के दूरस्थ अंचलों में रहने वाले जरूरतमंद परिवारों के लिए प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना किसी संजीवनी से कम नहीं है। कोरिया जिला मुख्यालय बैकुण्ठपुर के बचरा-पोड़ी क्षेत्र की ग्राम पंचायत गढ़तर में रहने वाली सुकबरिया के जीवन में इस योजना ने बड़ा बदलाव लाया है। कच्चे और जर्जर मकान में डर-डरकर जीवन बिताने वाला यह परिवार अब पक्के घर की सुरक्षित छत के नीचे सुकून की नींद ले रहा है।

सुकबरिया अपने पति सुखलाल और तीन बच्चों के साथ एक साधारण किसान परिवार से संबंध रखती हैं। परिवार की आय मुख्य रूप से दूसरों के खेतों में मजदूरी और सीमित कृषि पर निर्भर थी। मौसम पर आधारित आय और मनरेगा के सीमित कार्यों के कारण पक्का मकान बनाना उनके लिए असंभव जैसा था। करीब 40 डिस्मिल जमीन पर बने कच्चे घर में यह परिवार वर्षों तक रहा। बरसात के दिनों में छत से पानी टपकना, दीवारों का कमजोर होना और घर में पानी भर जाना जैसी समस्याएं हर साल उनकी चिंता बढ़ा देती थीं। ऐसे में प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना उनके लिए उम्मीद की किरण बनकर सामने आई।

योजना के तहत आवास निर्माण के लिए 2 लाख रुपये की सहायता मिली। साथ ही मनरेगा के अंतर्गत 90 दिनों की मजदूरी का लाभ लेकर परिवार ने स्वयं श्रमदान कर अपना पक्का घर तैयार किया।

आरके स्टूडियो पर करीना कपूर का बड़ा बयान

भाई रणबीर के करियर पर किया खुलासा

करीना कपूर ने हाल ही में हुई एक बातचीत के दौरान कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने न सिर्फलंबे समय से चली आ रही आरके स्टूडियो को दोबारा शुरू करने की अफवाहों पर चुप्पी तोड़ी, साथ ही रणबीर कपूर पर भी खुलकर बात की।

अभिनेत्री करीना कपूर खान ने हाल ही में कई मुद्दों पर खुलकर बात की। एक ओर जहां एक्ट्रेस ने आरके स्टूडियो के दोबारा शुरू होने की संभावनाओं पर जवाब दिया। वहीं दूसरी तरफ एक्ट्रेस ने भाई रणबीर कपूर की तारीफ के साथ ही उनके भविष्य की योजनाओं पर भी चर्चा की।

आरके स्टूडियो पर कोई प्लान नहीं

बीते दिनों इंडस्ट्री में चर्चा थी कि राज कपूर का मशहूर आरके स्टूडियो दोबारा शुरू होने जा रहा है। इस पर बात करते हुए करीना ने कहा, 'आरके स्टूडियो के दोबार शुरू होने की सारी खबरें अफवाह हैं। हमारे परिवार के बीच भी इसे लेकर खूब चर्चा हुई पर अंत में हमें लगा कि यह असंभव है।'

बता दें कि कई अफवाहों में यह कहा गया था कि रणबीर और करिश्मा मिलकर आरके स्टूडियो को पुनर्जीवित करेंगे। मगर अब करीना के इस मामले पर सब कुछ साफ कर दिया है।

रणबीर को बताया एक अच्छा अभिनेता

वहीं इस इंटरव्यू के दौरान करीना ने अपने भाई रणबीर के बारे में भी काफी कुछ कहा। एक्ट्रेस ने बताया, 'रणबीर अपने काम के प्रति काफी जुनूनी है। वो कड़ी मेहनत करते हैं। उनका पूरा ध्यान अपने अभिनय पर होता है। मेरी राय में वो सर्वश्रेष्ठ अभिनेता हैं। जिस तरह उनके प्रोजेक्टस आने वाले है यह दिखाता है कि रणबीर का पूरा फोकस अपनी एक्टिंग पर है।'

करीना कपूर का वर्कफ्रंट

वर्कफ्रंट की बात करें तो करीना कपूर खान जल्द ही निर्देशक मेघना गुलजार की फिल्म 'दायरा' में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ पृथ्वीराज सुकुमारन भी मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे। करीना लगातार फिल्मों और ओटीटी प्रोजेक्ट्स में सक्रिय हैं और अलग-अलग तरह के किरदार निभाते हुए नजर आ रही हैं।

'सुंदर पूनम' की पहली झलक आई सामने, रहस्यमयी किरदार में दिखीं सान्या मल्होत्रा; इस ओटीटी पर रिलीज होगी फिल्म

सान्या मल्होत्रा अभिनीत फिल्म 'सुंदर पूनम' का फर्स्ट लुक सामने आ चुका है। एक्ट्रेस का लुक इस फिल्म में काफी रहस्यमयी दिख रहा है। यूजर्स को लगता है कि फिल्म 'सुंदर पूनम' एक असल मर्डर से प्रेरित है।

फिल्म 'सुंदर पूनम' के फ स्र्ट लुक में सान्या मल्होत्रा दुल्हन के जोड़े में नजर आईं। फर्स्ट लुक देखकर लगता है कि वह कोई आम दुल्हन नहीं है, उनके किरदार में कई परतें हैं। फर्स्ट लुक से लगता है कि फिल्म 'सुंदर पूनम' अपने स्टोरी से दर्शकों को चौंका देगी, इसमें थ्रिलर, सस्पेंस की डोज मिलेगी।

फिल्म के फर्स्ट लुक में क्या खास दिखा?

'सुंदर पूनम' के फर्स्ट लुक में सान्या मल्होत्रा दुल्हन बन है, उसका फोन लगातार बज रहा है। जिसमें सुंदर और राजू नाम के नंबर से फोन आ रहा है। आखिर में दुल्हन मुस्कुराती है। पीछे से एक खबर सुनाई देती है कि एक शादी-शुदा जोड़ा कश्मीर में गायब हो गया।

जुनूनी प्यार और उलझा देने वाली कहानी दिखेगी

इस फिल्म में एक नया शादी-शुदा जोड़ा कश्मीर हनीमून पर जाता है। हनीमून के दौरान यह जोड़ा अचानक लापता हो जाता है। इसके साथ ही दुल्हन पूनम से जुड़ा एक रोंगटे खड़े कर देने वाला सच सामने आता है। इसमें उसकी जुनून भरी प्रेम कहानी है और उलझा हुआ अतीत है, जो दर्शकों को चौंकाने के लिए काफी है।

इस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आएगी ये फिल्म

फिल्म 'सुंदर पूनम' में सान्या मल्होत्रा के अलावा आदित्य रावल और विक्रम मल्होत्रा भी नजर आएंगे। फिल्म को पुलकित ने निर्देशित किया है। यह प्राइम वीडियो पर जल्द ही रिलीज होगी।

सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर रिलीज हो रही 'सितारे जमीन पर'

आमिर खान की फिल्म 'सितारे जमीन पर' अब जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली है। जानिए कब और कहां देख सकेंगे आमिर खान की यह फिल्म?

अभिनेता आमिर खान की फिल्म 'सितारे जमीन पर' 20 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। अब आमिर खान की यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीमिंग के लिए तैयार है। जानिए किस प्लेटफॉर्म पर कब रिलीज हो रही है 'सितारे जमीन पर'।

सोनी लिव ने आधिकारिक तौर पर घोषणा कर दी है कि फिल्म 3 अप्रैल 2026 से उनके प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीमिंग शुरू हो जाएगी। यह तारीख गुड फ्राइडे के लंबे वीकेंड के साथ आ रही है। आमिर खान की इस फिल्म को लेकर उनके फैंस बेहद खुश हैं कि अब वह आमिर की फिल्म को ओटीटी पर घर बैठे देख सकेंगे।

फिल्म को ओटीटी पर रिलीज नहीं करना चाहते थे आमिर

पहले आमिर खान ने कहा था कि फिल्म 'सितारे जमीन पर' ओटीटी पर बिल्कुल नहीं आएगी। उन्होंने कहा था कि

सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद इसे सीधे यूट्यूब पर 100 रुपये के किराए पर देखा जा सकेगा। लेकिन अब यह फैसला बदल गया है क्योंकि अब यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो रही है।

'सितारे जमीन पर' की कहानी

'सितारे जमीन पर' में आमिर खान एक बास्केटबॉल कोच का रोल निभाते नजर आए। उन्हें शराब पीकर गाड़ी चलाने के जुर्म में पकड़ा जाता है और अदालत उन्हें न्यूरोडाइवर्जेंट बच्चों को बास्केटबॉल सिखाने का काम सौंपती है। फिल्म को रिलीज के समय अच्छी समीक्षाएं मिलीं। अब 'सितारे जमीन पर' को दर्शक 3 अप्रैल 2026 को घर बैठे ओटीटी पर देख सकेंगे।

फैशन शो में अनीत पड्डा ने लगाए चार चांद

'आउट ऑफ ऑफिस' कलेक्शन ने जीता फैंस का दिल

इन दिनों मुंबई में चल रहे फैशन वीक में बॉलीवुड की कई हस्तियां हिस्सा ले रही हैं। इसी बीच 'सैयारा' फेम एक्ट्रेस अनीत पड्डा भी इस फैशन शो में शामिल हुईं और रैंप पर नजर आईं।

मंबई में चल रहे फैशन वीक में सितारे रैंप पर जलवा बिखेर रहे हैं। जहां अदिति राव हैदरी ने रैंप वॉक करके फैंस का दिल जीता, वहीं 'सैयारा' फेम अनीत पड्डा भी रैंप पर बेहद खूबसूरत लगीं। अनीत, डिजाइनर अनीत अरोड़ा के लिए शो स्टॉपर रहीं।

अनीत पड्डा ने बिखेरा जलवा

जियो कंवेंशनल सेंटर में चल रहे इस फैशन वीक के ग्रैंड फिनाले में 'आउट ऑफ ऑफिस' स्टाइल फैशन शोकेस किया गया। इस मौके पर अनीत की मशहूर ड्रेस डिजाइनर अनीत अरोड़ा के डिजाइन किए हुए फॉल विंटर कलेक्शन को शोकेस किया। सफेद और ब्लू पैलेट इस ड्रेस में एक्ट्रेस काफी खूबसूरत लग रही थीं। 'आउट ऑफ ऑफिस' कलेक्शन का यह आउटफि ट भी काफी आरामदायक और ट्रेंडी नजर आ रहा था। इसका हैंडक्राफ्ट टैक्चर इसे एक अलग ही लुक दे रहा था। वहीं सबकी निगाहें अनीत के क्लासिक शूज पर भी ठहरीं।

कौन-कौन हुआ शामिल?

इस फैशन वीक में अब तक डायना पेंटी, तमन्ना भाटिया, शनाया कपूर, सिद्धार्थ चतुर्वेदी, कल्कि कोचलिन और दिशा पाटनी समेत कई सेलेब्स शामिल हो चुके हैं। ये सभी अलग-अलग डिजाइनर्स के लिए शो स्टॉपर रहे और उनका कलेक्शन शोकेस करते नजर आए।

ब्लू लहंगे में अदिति ने किया रैंप वॉक

अनीत से पहले अदिति ने भी शो में रैंप वॉक की। उन्होंने शानदार मिडनाइट ब्लू लहंगे में रनवे पर जबरदस्त एंट्री की। सत्य पॉल की डिजाइन की इस ड्रेस ने फैंस का काफी ध्यान खींचा। इस ड्रेस में एक लहराता हुआ स्कर्ट था जिस पर बारीक प्रिंट बने थे।

इसके साथ अभिनेत्री ने एक बोल्ड, ब्रालेट-स्टाइल का ब्लाउज पहना था जिसका गला काफी गहरा था। इसमें एक मॉडर्न टच देने के लिए, उन्होंने इस लुक के ऊपर एक लंबा, स्ट्रक्चर्ड ट्रेंच कोट पहना, जिससे पारंपरिक पहनावे को एक आधुनिक लुक मिला।

गर्मी में प्यास बुझाने के लिए सोडा की जगह पिएं ये 5 ताजगी देने वाले पेय

सोडा का सेवन करना भले ही आपको पसंद हो, लेकिन यह सेहत के लिए अच्छा नहीं माना जाता है। इसमें मौजूद ज्यादा शक्कर और अप्राकृतिक फ्लेवर सेहत पर बुरा असर डाल सकते हैं। इसलिए, आज हम आपको कुछ ऐसे पेय की रेसिपी बताएंगे, जो सोडा की तरह ही स्वादिष्ट हैं, लेकिन सेहत के लिए फायदेमंद हैं। इन पेय को बनाने में कुछ ही मिनट लगते हैं और ये आपके दिन को तरोताजा कर सकते हैं।

फलों का रस

फलों का रस न सिर्फ स्वादिष्ट होता है, बल्कि पोषण से भरपूर भी होता है। आप संतरा, सेब, अनार या किसी भी मौसमी फल का रस बना सकते हैं। इसे बनाने के लिए फलों को धोकर काट लें और जूसर में डालकर रस निकाल लें। इसमें कोई भी अप्राकृतिक शक्कर या संरक्षक नहीं होते, जिससे यह पूरी तरह प्राकृतिक होता है। फलों का रस पीने से शरीर को विटामिन और मिनरल मिलते हैं, जो प्रतिरक्षा को मजबूत बनाते हैं।

नींबू पानी

नींबू पानी एक सरल और सेहतमंद विकल्प है। इसे बनाने के लिए आपको बस एक नींबू निचोडऩा है और उसका रस एक गिलास पानी में मिलाना है। आप इसमें थोड़ा-सा शहद या गुड़ डाल सकते हैं, जिससे इसका स्वाद और भी बढ़ जाएगा। नींबू पानी विटामिन-सी से भरपूर होता है, जो आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाता है और पाचन को बेहतर रखता है। यह पेय गर्मियों में आपको तरोताजा भी रखता है।

नारियल पानी

नारियल पानी प्राकृतिक तत्वों से भरपूर होता है, जो आपके शरीर को हाइड्रेटेड रखने में मदद करता है। इसे बनाने के लिए बस ताजे नारियल का पानी निकालकर एक गिलास में भर लें और ठंडा-ठंडा पिएं। इसमें कोई अप्राकृतिक मिलावट नहीं होती, जिससे यह पूरी तरह से प्राकृतिक होता है। नारियल पानी पीने से न सिर्फ प्यास बुझती है, बल्कि यह शरीर को ऊर्जा भी देता है और थकान दूर करता है।

छाछ

छाछ एक पारंपरिक भारतीय पेय है, जो दही से बनता है। इसे बनाने के लिए दही को अच्छी तरह से फेंट लें और उसमें पानी मिलाएं। अब नमक, भुना जीरा पाउडर और हरा धनिया डालकर मिलाएं। यह पेय पाचन को सुधारने में मदद करता है और शरीर को ठंडक देता है। छाछ में लाभकारी जीवाणु होते हैं, जो आंत के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं। इसमें कोई अप्राकृतिक फ्लेवर या संरक्षक नहीं होते।

ठंडाई

ठंडाई एक मसालेदार और मीठा पेय है, जिसे खास मौकों पर बनाया जाता है। इसे बनाने के लिए बादाम, पिस्ता, खरबूजे के बीज और गुलाब जल आदि सामग्री मिलाकर पीस लें। फिर इसे दूध में मिलाकर ठंडा-ठंडा परोसें। ठंडाई गर्मियों में शरीर को ठंडक देती है और ऊर्जा प्रदान करती है। इन पेय को बनाना आसान है और ये आपकी सेहत के लिए भी फायदेमंद होते हैं।

खास खबर

ओ.टी.सी. ऑनलाइन चालान हेतु कार्यशाला : 1 अप्रैल से मैनुअल पद्धति से चालान पूर्णतः बंद

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में जिला कोषालय अधिकारी गजानन पटेल द्वारा आहरण संवितरण अधिकारियों, स्टाम्प वेन्डर एवं बैंक प्रतिनिधियों हेतु ओ.टी.सी. (ओवर द काउंटर) ऑनलाइन चालाना जमा करने की प्रक्रिया के संबंध में कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला शासकीय कन्या पॉलीटेक्नीक, बैरन बाजार में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजित की गई। पटेल ने बताया कि मैनुअल पद्धति से चालान जमा करने में जो त्रुटियों होने की संभावना होती थी वह ओ.टी.सी. ऑनलाइन चालान के माध्यम से नहीं होगी। इसमें सही मद का चयन करना सुविधाजनक होगा जिससे बैंक एवं कोषालय में पारदर्शिता बढ़ेगी। कार्यशाला में बताया गया कि संचालनालय कोष एवं लेखा द्वारा नए वित्तीय वर्ष, 01 अप्रैल से मैनुअल चालान प्रणाली को समाप्त कर ऑनलाइन के माध्यम से चालान जमा करने की सुविधा शुरू की जा रही है। ऑनलाइन चालान ई-कोष ऑनलाइन पोर्टल के अंतर्गत ई-चालान मॉड्यूल के माध्यम से जमा किया जा सकता है। इस प्रक्रिया में चालान का डाटा सीधे बैंक को ऑनलाइन स्थानांतरित हो जाएगा, जिससे बैंक स्तर पर पुनः प्रविष्टि की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

तीन दिवसीय निःशुल्क मधुमेह जांच शिविर 27 से

बिलासपुर। कुमार साहब स्व. दिलीप सिंह जूदेव जी शासकीय सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, कोनी द्वारा 27 मार्च से तीन दिवसीय निःशुल्क मधुमेह जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 27, 28 एवं 29 मार्च 2026 को प्रतिदिन सवेरे 9.30 बजे से दोपहर 1 बजे तक किया जाएगा। प्रत्येक दिन लगभग 75 मरीजों की जांच की जाएगी जिसके लिए पूर्व पंजीयन अनिवार्य रखा गया है। पंजीयन 24 एवं 25 मार्च को सवेरे 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक होगी। अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. भानु प्रताप सिंह ने बताया कि शिविर में मरीजों के लिए लीवर स्वास्थ्य का आकलन करने हेतु सोनोग्राफी (फैटी लीवर जांच) एवं लीवर स्टिफनेस जांच हेतु फाइब्रोस्केन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सरगुजा ओलम्पिक 2026 : तीन दिवसीय संभागस्तरीय आयोजन का शानदार समापन

छत्तीसगढ़ शासन खेलों को विशेष प्राथमिकता दे रही है, खिलाड़ी लगन के साथ कड़ी मेहनत करें, सफलता जरूर मिलेगी- बाइचुंग भूटिया

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सरगुजा ओलम्पिक 2026 के संभाग स्तरीय प्रतियोगिताओं का शानदार समापन सोमवार को पीजी कॉलेज ग्राउण्ड अम्बिकापुर में हुआ। समापन समारोह में भारतीय फुटबाल टीम के पूर्व कप्तान, पद्मश्री एवं अर्जुन अवार्ड से सम्मानित बाइचुंग भूटिया शामिल हुए। उन्होंने खिलाडियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि मैं आज यहाँ सिक्किम से आप सभी खिलाड़ियों में जोश की भावना सिंचित करने आया हूं।

आप सबको मैं एक ही मैसेज देना चाहता हूं कि आप लोग लगन के साथ कड़ी मेहनत करें, सफ्लता जरूर मिलेगी। मुझे खुशी है कि छत्तीसगढ़ शासन खेलों को विशेष प्राथमिकता दे रही है।

इसका असर हमें जरूर दिखेगा और छत्तीसगढ़ के युवा खेलों में देश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि मैं भी ट्राइबल लड़का हूँ और सिक्किम के छोटे से गाँव से आता हूं। वहाँ से निकलकर मुझे भारत के लिए खेलने का मौका मिला है, यह मैटर नहीं करता कि आप कहां से हैं जबकि आपकी प्रतिभा और मेहनत आपको आगे लेकर जाती है। मुझे भरोसा है कि आने वाले समय मे छत्तीसगढ़ से भी बहुत से खिलाड़ी ओलम्पिक मेडल लेकर आएंगे और देश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं, वहीं शासन प्रशासन को धन्यवाद दिया।

कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि किसी काम को पूरा करने में अगर पूरी जुनून, लगन और अनुशासन हो, तो निश्चित ही आपको सफ्लता मिलेगी। हमारी छत्तीसगढ़ सरकार ने युवाओं को अवसर दिया है, आज छत्तीसगढ़ के हर कोने से खिलाड़ी निकलकर आ रहे हैं। आपको जो प्लेटफार्म मिला है, इसका भरपूर उपयोग करें और आगे आएं। हमें गर्व होता है कि सरगुजा अंचल में ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं, जो राष्ट्रीय मंच पर अपना एक जलवा बिखेर चुके हैं। निश्चित ही आने वाले समय में भी इन खेलों के माध्यम से प्रदेश के खिलाड़ी भी देश के लिए मेडल जीतकर लाएंगे। उन्होंने सभी विजेता खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि सरगुजा ओलम्पिक का सफ्ल आयोजन आज यहां सम्पन्न हुआ। यह सरगुजा सम्भाग के खिलाडियों के लिए सौभाग्य की बात है कि उन्हें अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर इस पूरे आयोजन में मिला है। उन्होंने कहा कि सरगुजा ओलम्पिक में 12 विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं है, हमारा प्रयास रहेगा कि आगामी आयोजन में सरगुजा जिले के अन्य पारम्परिक खेलों को भी इसमें शामिल किया जाए। उन्होंने सभी जिलों से आए खिलाडियों को बधाई दी तथा विजेता खिलाड़ियों को भी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि 26 मार्च से अब खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का शुरुआत होगा जिसमें रायपुर सहित बस्तर सरगुजा में भी खेल आयोजित होंगे।

कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण विभाग की संचालक श्रीमती तनुजा सलाम ने समापन समारोह में सरगुजा ओलम्पिक 2026 के पूरे आयोजन की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने सरगुजा ओलम्पिक के शानदार सफ्ल आयोजन के लिए सभी को शुभकामनाएं दीं।

समापन समारोह में जशपुर एवं बलरामपुर की महिला खिलाड़ियों के बीच रस्साकशी का प्रदर्शनात्मक मुकाबला हुआ। दोनों टीमों के प्रतिभागियों ने जीत के लिए ज़ोर लगाया, खींचा- तानी के बीच जशपुर की टीम विजेता रही। विजेता घोषित होने के साथ ही पूरा ग्राउण्ड तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

'लखपति दीदी' अभियान को मिली नई रफ्तार

18 हजार से अधिक महिलाएं बनीं आत्मनिर्भर, गांवों की अर्थव्यवस्था को दे रहीं मजबूती

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में प्रभावी पहल की जा रही है। इसी कड़ी में जशपुर जिले में 'लखपति दीदी' अभियान ने उल्लेखनीय सफ्लता हासिल की है, जहां 18 हजार से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बनकर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश कर रही हैं।

प्राकृतिक सौंदर्य से समृद्ध जशपुर की महिलाएं अब खेती, पशुपालन, खाद्य प्रसंस्करण, हस्तशिल्प और लघु उद्यमों के माध्यम से न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे गांव की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रही हैं। गांव-गांव में सक्रिय कृषि सखियां और पशु सखियां किसानों तक आधुनिक तकनीक और उन्नत कृषि पद्धतियों की जानकारी पहुंचाकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ कर रही हैं। जिले में वर्तमान में 12 हजार 808 स्व-सहायता समूह सक्रिय हैं, जिनसे 1 लाख 37 हजार 912 महिलाएं जुड़ी हुई हैं। सामूहिक प्रयासों से ये महिलाएं आत्मनिर्भरता की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही हैं। राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2024 से 2027 तक जशपुर जिले में 30 हजार 877 'लखपति दीदी' तैयार करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इनमें से अब तक 18 हजार 218 महिलाएं लखपति बन चुकी हैं, जबकि शेष महिलाओं को भी आगामी वर्षों में इस श्रेणी में लाने के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं।

महिलाओं को आजीविका से जोड़ने के लिए 'बिहान' योजना के माध्यम से व्यापक सहयोग प्रदान किया जा रहा है। इसके तहत लगभग 14 करोड़ रुपये मुद्रा लोन, 76 करोड़ रुपये बैंक लिंकेज और 13 करोड़ रुपये सामुदायिक निवेश निधि के रूप में सहायता दी गई है। साथ ही लगभग 70 हजार महिलाओं को कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और उद्यानिकी गतिविधियों से जोड़ने की पहल की जा रही है। इसके अतिरिक्त करीब 8500 संभावित लखपति दीदियों को विभिन्न आजीविका गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया है।

प्रकृति की गोद में रोमांच- मोहरेंगा नेचर सफारी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रकृति के करीब, पर्यावरण को नुकसान पहुँचाए बिना और स्थानीय संस्कृति व वन्यजीवों का सम्मान करते हुए की जाने वाली यात्रा है। इसका मुख्य उद्देश्य वन एवं वन्यजीव का संरक्षण, शिक्षा और स्थानीय समुदायों को लाभ पहुँचाना ही ईको-पर्यटन है। रायपुर जिले के खरोरा के पास ग्राम मोहरेंगा में 'नेचर सफारी मोहरेंगा' में नई ईको-पर्यटन सुविधाओं का शुभारंभ किया गया।

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि छत्तीसगढ़ में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राज्य शासन और वन विभाग द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान हमारे घने जंगलों और जैव विविधता से है। हमारा लक्ष्य केवल पर्यटन का विकास करना नहीं है, बल्कि प्रकृति और मनुष्य के बीच एक संतुलन बनाना है। ये नवनिर्मित संरचनाएं पर्यटकों को प्रकृति के और करीब लाएंगी, जिससे पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता बढ़ेगी। साथ ही, ईको-

पर्यटन के माध्यम से हम स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित कर रहे हैं।

यह सफ ारी रायपुर से लगभग 45 किलोमीटर दूर तिल्दा-खरोरा मार्ग पर स्थित है और करीब 500 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली हुई है। मोहरेंगा नेचर सफारी के माध्यम से न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा बल्कि क्षेत्र के स्थानीय युवा और बच्चों को प्रकृति के महत्व से जोड़ सकेंगे। यहां पर्यटक 10 किलोमीटर लंबी जिप्सी सफारी का आनंद ले सकते हैं। सफारी के दौरान चीतल, जंगली सूअर, खरगोश, अजगर जैसे वन्यजीवों और नीलकंठ, कोयल, ईगल जैसे पक्षियों को देखा जा सकता है।

पर्यटकों के लिए वॉच टॉवर, किड्स प्ले एरिया और सुंदर गार्डन की सुविधा भी विकसित की गई है। रात्रि विश्राम के लिए यहां चार सुसज्जित कॉटेज बनाए गए हैं। उल्लेखनीय है कि महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यहां के रेस्टोरेंट का संचालन 'जय माँ अंबे महिला स्व-सहायता समूह' द्वारा किया जा रहा है। इससे स्थानीय महिलाओं को रोजगार मिल रहा है। मोहरेंगा नेचर सफारी पर्यावरण संरक्षण, स्थानीय रोजगार और पर्यटन विकास का एक अच्छा उदाहरण है, जो भविष्य में रायपुर के पास एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होगा। सफारी क्षेत्र में वन्यजीवों के लिए 8 तालाब, एनीकट और घास के मैदान विकसित किए गए हैं, जहां सौर ऊर्जा आधारित पंपों से पानी की व्यवस्था की गई है। सुरक्षा के लिए लगभग 16 किलोमीटर लंबी चौनलिंक फेंसिंग भी की गई है। यह क्षेत्र साजा, खैर, महुआ, अर्जुन जैसे उपयोगी वृक्षों और सफेद मुसली, सतावर जैसी औषधीय वनस्पतियों से समृद्ध है। साथ ही यहां स्थित 'दोहरा तिहरा माता' मंदिर श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र है।

हथियार छोड़ शिक्षा की राह पर बढ़ रहे पुनर्वासित युवा, उल्लास महापरीक्षा में 28 युवा हुए शामिल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बस्तर जिले में शिक्षा और ज्ञान की नई अलख जगाने के उद्देश्य से आयोजित उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत रविवार को महापरीक्षा का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। जिला प्रशासन की इस अनूठी पहल ने पूरे जिले को साक्षरता के महापर्व में सराबोर कर दिया, जहाँ सुदूर वनांचलों से लेकर शहरी क्षेत्रों तक शिक्षा का उत्साह देखने को मिला।

इस परीक्षा में बस्तर जिले के कुल 25,706 परीक्षार्थी शामिल हुए। यह आयोजन महज एक परीक्षा नहीं, बल्कि उन बुजुर्गों और

युवाओं के लिए स्वावलंबन की एक नई शुरुआत बनकर उभरा है, जो किन्हीं कारणों से अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी नहीं कर पाए थे। इस महापरीक्षा की सबसे प्रेरक और हृदयस्पर्शी तस्वीर जगदलपुर के केंद्रीय कारागार और पुनर्वास केंद्रों से निकलकर सामने आई। जहाँ एक ओर जेल की सलाखों के पीछे रहने वाले 94 पुरुष और 47 महिला बंदियों ने साक्षरता की मुख्यधारा से जुड़कर अपनी नई पहचान बनाने की कोशिश की, वहीं दूसरी ओर आड़ावाल स्थित पुनर्वास केंद्र में 28 पुर्नवासितों ने भी हाथों में कलम थामकर विकास और शांति की दिशा में अपना पहला कदम बढ़ाया। कभी हथियार थामने वाले हांथों ने जब कलम उठा ली है तो लोगों में विश्वास हो रहा है कि अब बस्तर की तस्वीर बदलने में देर नहीं होगी और हर तरफ भयमुक्त एवं स्थायी शांति का वातावरण होगा।

उल्लास परीक्षा के लिए बस्तर जिले भर में 812 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए थे, ताकि घने जंगलों और दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले प्रतिभागियों को भी परीक्षा देने में कोई असुविधा न हो। मूल्यांकन की प्रक्रिया के दौरान प्रतिभागियों की पढ़ने, लिखने और बुनियादी अंक गणित की क्षमता को बारीकी से परखा गया। इस दौरान संयुक्त संचालक श्री एचआर सोम ने केंद्रीय जेल जगदलपुर का सघन निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। उनके साथ जिला शिक्षा अधिकारी बीआर बघेल, नोडल अधिकारी राकेश खापर्डे और सहायक खंड शिक्षा अधिकारी राजेश गुप्ता भी उपस्थित रहे, जिन्होंने व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

नल-जल योजना से बदली राधाबाई की जिंदगी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। भारत सरकार की फ्लैगशिप जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिले कोंडागांव जिले के ग्राम साल्हेभाट में प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराए जाने से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। इस योजना ने विशेष रूप से महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है।

ग्राम साल्हेभाट निवासी श्रीमती राधाबाई उसेंडी के लिए पहले पानी की व्यवस्था करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। उन्हें प्रतिदिन लगभग 250 मीटर दूर स्थित जल स्त्रोत से पानी लाना पड़ता था। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों, चिलचिलाती धूप एवं शारीरिक श्रम के बीच पानी लाना उनके दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा था, जिससे समय एवं ऊर्जा दोनों का अत्यधिक व्यय होता था।

राधाबाई का परिवार मुख्यतः कृषि एवं सब्जी उत्पादन पर निर्भर है। पानी की कमी के कारण उनकी आजीविका पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता था। सीमित जल उपलब्धता उनके कृषि कार्यों एवं परिवार के बेहतर जीवन के सपनों में बाधा बन रही थी। जल जीवन मिशन के अंतर्गत 'हर घर नल-जल' योजना के क्रियान्वयन से गांव में पाइपलाइन बिछाई गई तथा राधाबाई के घर तक नल कनेक्शन प्रदान किया गया। घर के आंगन में नल से नियमित एवं स्वच्छ जल की उपलब्धता ने उनके जीवन को सहज एवं सुलभ बना दिया है। अब राधाबाई को पानी के लिए दूर नहीं जाना पड़ता। इससे उनके समय की बचत हो रही है, स्वास्थ्य में सुधार हुआ है तथा वे अपने कृषि कार्यों पर अधिक ध्यान दे पा रही हैं। उनके खेत-खलिहान अब पहले से अधिक हरे-भरे हो गए हैं और परिवार की आय में भी वृद्धि हो रही है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की ताकत से कृषि शिक्षा और अनुसंधान में आएगा बदलाव

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में शिक्षण एवं अनुसंधान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीकों के प्रभावी उपयोग पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कृषि महाविद्यालय रायपुर में 16 से 20 मार्च तक आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की विभिन्न प्रविधियों एवं उपकरणों का प्रभावी उपयोग कर इन क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल करने के गुर सिखाया गया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित 17 महाविद्यालयों के प्राध्यापक एवं वैज्ञानिक भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में आई.आई.टी. भिलाई, आई.आई.आई.टी. नया रायपुर, एन.आई.टी. रायपुर, आई. आई. एम. रायपुर, हिदायतुल्लाह नेशनल लॉ यूनिर्वसिटी नया रायपुर, गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर, आई.सी.ए.आर. - नार्म हैदराबाद तथा

आई.सी.ए.आर - एन.आई.बी.एस.एम. बरोण्डा जैसे राष्ट्रीय संस्थानों के विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को कृषि शिक्षा अनुसंधान में आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस की विभिन्न टेकनिक्स एवं टूल्स के प्रभावी उपयोग के बारे में मार्गदर्शन दिया गया। इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ इदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने किया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.टी.), भिलाई के निदेशक डॉ. राजीव प्रकाश तथा आई.सी.ए.आर.- राष्ट्रीय जैविक तनाव प्रबंधन संस्थान (एन.आई.बी.एस.एम.) बरोण्डा के निदेशक डॉ. पी.के. राय ने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, कृषि महाविद्यालय, रायपुर में कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंश का उपयोग पर आयोजित पॉच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन दिनांक 20 मार्च 2026 को डॉ. प्रशांत कविश्वर, महानिदेशक, छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, रायपुर के मुख्य अतिथ्य तथा डॉ. ए. के. दवे, निदेशक शिक्षण एवं परीक्षा नियंत्रक, डॉ. अजय वर्मा, अधिष्ठाता, कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, रायपुर, डॉ. अखिलेश त्रिपाठी, वैज्ञानिक, छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, रायपुर की गरिमामयी उपस्थिति तथा डॉ. आरती गुहे, अधिष्ठाता, कृषि संकाय, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य के 17 कृषि महाविद्यालयों के 85 सहायक प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं प्राध्यापकों ने सक्रिय सहभागिता की ।

डॉ. प्रशांत कविश्वर ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वर्तमान में कृषि अनुसंधान एवं शिक्षण के लिए अत्यंत उपयोगी है, इससे गुणवत्ता में वृद्धि तथा समय की बचत होती है किन्तु इस पर पूर्ण निर्भरता से विपरित परिणाम भी हो सकते है, कोविड 19 महामारी के बाद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग में तेजी से वृद्धि हुई है एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव बुद्धिमत्ता का विकल्प नहीं बल्कि एक सहायक साधन है। उन्होने ए आई के उपयोग के अनेक उदाहरण देते हुए प्राध्यापकों एवं वैज्ञानिकों से शोघ एवं शिक्षण में इसके समुचित एवं बुद्धिमत्ता पूर्ण उपयोग करने का अनुरोध किया। डॉ. आरती गुहे, अधिष्ठाता एवं समन्वयक ने पॉच दिवसीय अभिमुखीकरण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया।

डॉ. अजय वर्मा ने बताया की ए.आई. से सृजित जानकारी एवं आकडों का पुष्टीकरण करने के उपरान्त ही उनका उपयोग करे। ए.आई टूल्स, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान में आकडों के विश्लेषण, सारणीकरण, प्रस्तुतीकरण एवं प्रकाशन अत्यन्त उपयोगी है। डॉ. ए. के दवे ने ए.आई के क्षेत्र में कार्यरत देश के विभिन्न ख्यातिलब्ध संस्थाओं में कार्यरत विशेषज्ञों को एक स्थान में बुलाकर प्रभावी प्रशिक्षण एवं परिचर्चा आयोजन हेतु प्रशंसा की।

कलेक्टर ने केशकाल में पोषण पुनर्वास केन्द्र का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

कोंडागांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने रविवार को केशकाल विकासखंड अंतर्गत उप स्वास्थ्य केंद्र खालेमुरवेण्ड, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केशकाल और साल्हेभाट में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान खालेमुरवेण्ड स्वास्थ्य केंद्र में उन्होंने प्रसव व्यवस्था एवं हाई रिस्क प्रेग्नेंसी (एचआरपी) महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ली। कलेक्टर ने स्वास्थ्य कर्मियों को टीकाकरण कार्य का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही स्वास्थ्य केंद्र में बेबी वार्मर की व्यवस्था करने हेतु संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया।

इसके पश्चात कलेक्टर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केशकाल स्थित पोषण पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण कर वहां भर्ती बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों एवं केंद्र के स्टाफ को सख्त निर्देश दिए कि भर्ती बच्चों एवं उनकी माताओं को पोषणयुक्त एवं गुणवत्तापूर्ण आहार उपलब्ध कराएं। साथ ही केंद्र में साफ-सफाई व्यवस्था को दुरुस्त बनाए रखने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर ने इस पहले ग्राम साल्हेभाट में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण किया और स्मार्ट क्लास रूम एवं अन्य शैक्षणिक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने ग्रामवासियों की मांग पर छात्रावास की व्यवस्था के सम्बन्ध में विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया।

इस अवसर पर एसडीएम आकांक्षा नायक, तहसीलदार गणेश सिदार, जनपद पंचायत सीईओ अनुराग सिन्हा सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में
कार्य करने हेतु
लड़को की
आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

दुर्ग में अफीम की खेती व तस्करी मामले में और तीन आरोपी गिरफ्तार, अब तक 8 पकड़ाए

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के समोदा झिनझिरी में अफीम की खेती व इसकी तस्करी के मामले में पुलिस लगाता पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इस मामले में दुर्ग पुलिस सोमवार को और तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दुर्ग पुलिस ने इस प्रकरण में अब तक 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

बता दें 7 मार्च को चौकी जेवरा सिरसा के अंतर्गत ग्राम समोदा झिनझिरी में विनायक ताम्रकर के खेत में अफीम की खेती का खुलासा हुआ। मामला सामने आने के बाद पुलिस व जिला प्रशासन द्वारा संयुक्त कार्रवाई की गई। पुलिस ने इस मामले में विकास बिश्नोई, विनायक ताम्रकार, मनीष उर्फ गोलू ठाकुर एवं छोटू राम को गिरफ्तार किया। इसके बाद 15 मार्च को रणछोड़ राम उर्फ रणजीत एवं सुनील देवासी को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से अफीम डोडा (चुक्की) एवं नगदी राशि बरामद की गई थी। 16 मार्च को मदरूपा राम विश्नोई को गिरफ्तार कर डोडा चूरी बिक्री से प्राप्त 42,000 जब्त किया गया था। दिनांक 17 मार्च को थाना कुम्हारी क्षेत्रांतर्गत खारुन ग्रीन कॉलोनी से आरोपी गुरमेल सिंह के कब्जे से 403 ग्राम अफीम एवं 14,46,000 रुपए जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया था। विवेचना के दौरान आरोपी गुरमेल सिंह से पूछताछ, बैंक खाते के लेन-देन एवं मोबाइल कॉल डिटेल रिकॉर्ड (CDR) के विश्लेषण के आधार पर अफीम सप्लाई नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की पहचान की गई। दिनांक 23 मार्च को प्रकरण में आरोपी शिवप्रसाद कुमार साहू एवं रेशम सिंह उर्फ पप्पू पाजी को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से अवैध मादक पदार्थ अफीम एवं मोबाइल फोन जब्त किया गया है।

इसी प्रकार आरोपी विकास बिश्नोई के मेमोरेंडम कथन में यह तथ्य सामने आया कि सुखराम बिश्नोई द्वारा भी अवैध रूप से डोडा चूरा का क्रय-विक्रय किया जाता है। प्राप्त सूचना पर पुलिस टीम द्वारा राजस्थानी भोजनालय क्षेत्र, सिलोदा जिला दुर्ग में आरोपी की पतासाजी की गई। कार्यवाही के दौरान आरोपी सुखराम बिश्नोई के कब्जे से उसकी वाहन डस्टर क्रमांक CG 04 HD 6632 की ड्राइवर सीट के नीचे से 670 ग्राम डोडा चूरा बरामद किया गया। साथ ही आरोपी के पास से नगद 18,540, एक इलेक्ट्रॉनिक तराजू, वाहन संबंधी दस्तावेज (RC) एवं एक ओप्पो कंपनी का मोबाइल फोन गवाहों के समक्ष विधिवत जब्त किया गया।

खास खबर

कटघोरा तहसील चौक में एंबुलेंस-बाइक की जोरदार टक्कर

कोरबा। जिले के कटघोरा स्थित व्यस्ततम तहसीलक पर सोमवार दोपहर एक तेज रफ्तार एंबुलेंस और बाइक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार युवक और युवती गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों सड़क पर दूर जा गिरे, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई और लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एंबुलेंस तेज गति से चैक की ओर आ रही थी, तभी सामने से आ रही बाइक से उसकी भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद कुछ समय के लिए यातायात भी बाधित रहा। घटना की सूचना मिलते ही कटघोरा पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उसी एंबुलेंस से दोनों घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार, घायल युवक और युवती कुसमुंडा क्षेत्र की कांग्रेस पार्षद गीता गवेल के पुत्र और पुत्री बताए जा रहे हैं। दोनों को कटघोरा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उनका उपचार चल रहा है।

मेट्रोमोनी एप के माध्यम से शादी का झांसा देकर लाखों की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

सक्ती। सक्ती जिले की एक महिला से मैट्रिमोनी ऐप के जरिए लाखों की ठगी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित महिला की शिकायत पर पुलिस ने उत्तर प्रदेश के कानपुर निवासी युवक को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार एक पीड़िता ने 9 मार्च को सक्ती थाना में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में पीड़िता ने बताया कि गंगापुर कॉलोनी, कानपुर निवासी अंकित तिवारी (33 वर्ष) ने जीवन साथी ऐप के माध्यम से उससे संपर्क किया और उसे पत्नी बनने का झांसा दिया। विश्वास में लेने के लिए आरोपी ने वीडियो कॉल करवाई और महिला को शादी का आश्वासन भी दिया। वीडियो कॉल के दौरान आरोपी ने महिला की व्यक्तिगत बातें रिकॉर्ड कर लीं। इसके बाद उसने अलग-अलग बहानों से पीड़िता से पैसे मांगना शुरू किया। कभी नौकरी पर खतरे का डर दिखाया, कभी तबियत खराब होने का बहाना बनाया। इस तरह से 8 से 9 लाख रुपये आरोपी ने महिला से ऐंठ लिए। इसके बाद भी आरोपी ने और अधिक रुपए की मांग शुरू कर दी। जब पीड़िता ने पैसे की कमी बताई, तो आरोपी ने रिकॉर्डिंग और स्क्रीनशॉट को वायरल करने की धमकी दी। डर के कारण पीड़िता ने अपनी शिकायत सक्ती थाना में दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस टीम ने अंकित तिवारी की तलाश शुरू की और कानपुर भेजी गई।

स्टोर्ट्स टीचर ने किया छात्रा से दुष्कर्म का प्रयास, गिरफ्तार

कोरिया । छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में एक सरकारी खेलकूद स्कूल के शिक्षक के द्वारा स्कूल की छात्रा को खेलकूद प्रतियोगिता में शामिल करवाने के बहाने होटल ले जाकर दुष्कर्म करने के प्रयास का मामला सामने आया है। वहीं छात्रा ने होटल मैनेजर पर भी मदद न करने का आरोप लगाया है जिसके बाद पुलिस ने छात्रा की शिकायत पर आरोपी शिक्षक और होटल मैनेजर को गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार मामला बैकुंठपुर थाना क्षेत्र का है जहां स्थित शासकीय स्कूल में फिजिकल ट्रेनिंग इंस्ट्रक्टर के पद पर पदस्थ शिक्षक सुखदेव सिंह ने स्कूल में पढ़ने वाली एक छात्रा को खेलकूद प्रतियोगिता में शामिल करवा देने का झांसा दिया और खेलकूद प्रतियोगिता में शामिल करवाने के बहाने छात्रा को आरोपी शिक्षक अपने साथ एक होटल ले गया और छेड़छाड़ करते हुए दुष्कर्म का प्रयास करने लगा। छात्रा ने जब विरोध किया तो शिक्षक सुखदेव सिंह उसे डराने-धमकाने लगा।

बिलासपुर संडे मार्केट में बवाल : बैग चोरी के शक में दो पक्षों में जमकर मारपीट

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में रविवार शाम उस वक्त हड़कंप मच गया, जब संडे मार्केट के बीचों-बीच मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के रिवर व्यू रोड पर लगे बाजार में ग्राहक और दुकानदार के बीच शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते मारपीट में बदल गया। जानकारी के मुताबिक, राजीव गांधी चौक निवासी नरेंद्र तेंदुलकर अपनी बैग की दुकान लगाए हुए थे। इसी दौरान चंद्रकुमार अपनी पत्नी के साथ खरीदारी करने पहुंचे। दुकानदार की पत्नी को शक हुआ कि महिला ने एक बैग चुपके से अपने थैले में रख लिया है। जब इस बारे में पूछताछ की गई तो महिला ने आरोप से इनकार कर दिया, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई।

विवाद उस समय और बढ़ गया जब चंद्रकुमार ने कथित तौर पर दुकानदार को थप्पड़/मुक्का मार दिया। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच जमकर लात-घूंसे चलने लगे। हालात इतने बिगड़ गए कि महिलाओं ने भी एक-दूसरे के बाल पकड़कर सड़क पर ही खींचतान और मारपीट शुरू कर दी।

बीच बाजार हुई इस घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गई और लोग तमाशबीन बन गए। पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

दुकानदार नरेंद्र तेंदुलकर ने आरोप लगाया है कि उनके साथ मारपीट की गई और जान से मारने की धमकी भी दी गई। मामले की शिकायत सिटी कोतवाली थाने में दर्ज कराई गई है, जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपी चंद्रकुमार के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

30 फीट की ऊंचाई से गिरकर 7 साल के बच्चे की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के नेवारिकला गांव में दूसरी कक्षा का सात वर्षीय छात्र हर्ष कुमार साहू पतंग उड़ाते समय 30 फीट की ऊंचाई से गिर गया। इस हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह लगभग 10 बजे हर्ष कुमार साहू घर से स्कूल जाने के लिए निकला। वह अपने दोस्तों के साथ पतंग उड़ाने के लिए पड़ोसी वासुदेव के घर की दूसरी मंजिल की छत पर चढ़ गया। बच्चों की खेल-खेल में पतंग उड़ाने की गतिविधि के दौरान छत पर बाउंड्री वाल नहीं होने के कारण हर्ष का संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे नीचे करीब 30 फीट की ऊंचाई से गिर पड़ा। गिरने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और हर्ष के परिजनों को तुरंत सूचना दी।

परिजन तत्काल निजी वाहन से उसे जिला अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, हर्ष कुमार साहू अपने परिवार में दो बहनों के बीच सबसे छोटा और इकलौता भाई था। उसके पिता संजय कुमार साहू बालोद शहर के एक गैरेज में काम करते हैं और हादसे के समय काम पर ही थे। बताया गया कि हर्ष ने काम पर जाने से पहले अपने पिता से स्कूल जाने के लिए पैसे लिए थे। पिता हर्ष की मौत की खबर सुनकर बिलखते रहे। हादसे के बाद उनकी मां की हालत भी बिगड़ गई और वह बेहोश हो गई।

वहीं दादा, चाचा और अन्य परिजन भी रो-रोकर बुरे हालात में थे। ग्रामीण उन्हें ढांढस बंधाते रहे। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची बालोद पुलिस ने पंचनामा और पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी कर शव परिजनों को सौंप दिया गया।

प्रारंभिक जांच में इसे लापरवाही का मामला माना जा रहा है। खुले छत पर बच्चों की सुरक्षा को लेकर पर्याप्त सावधानी नहीं बरती गई थी। पुलिस ने इस घटना को लेकर परिवार और ग्रामीणों से पूछताछ की है और स्कूल व पड़ोस में बच्चों की सुरक्षा के लिए चेतावनी जारी की गई है।

पेट्रोल डालकर पत्नी को जलाने की कोशिशः महिला ने भागकर बचाई जान, कैरैक्टर पर शक करता था पति, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। बलौदाबाजार जिले में पति ने पत्नी के चरित्र पर संदेह करते हुए उस पर पेट्रोल डालकर आग लगाने की कोशिश की। पीड़िता की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला सिमगा थाना क्षेत्र का है। पीड़िता ने पुलिस सहायता केंद्र लिमतरा में रिपोर्ट दर्ज कराई। उसने बताया कि 25 जनवरी को वह अपने माता-पिता के साथ मनकुदीप पिकनिक जाने की तैयारी कर रही थी। इसी दौरान पति रिषभ मसीह उर्फ बंटी ने उस पर शक जताया कि वह किसी अन्य व्यक्ति से मिलने जा रही है।

आरोपी ने पीड़िता को अश्लील गालियां दीं, जान से मारने की धमकी दी और मारपीट की। इसके बाद हत्या की नीयत से उस पर पेट्रोल डालकर माचिस जलाई। पीड़िता किसी

तरह मौके से भाग निकली। उसका कहना है कि यदि वह समय पर नहीं भागती तो आरोपी उसे जिंदा जला देता।

इन धाराओं में मामला दर्जः पीड़िता की शिकायत पर थाना सिमगा में अपराध क्रमांक 43/2026 के तहत धारा 296, 115(2), 351(3), 109 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई है। पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के निर्देशन में पुलिस सहायता केंद्र लिमतरा के प्रभारी सउनि जगदीश सोनवीन, प्र.आर. राजेन्द्र नेताम, आर लीलाधर देववंशी, आर लक्ष्मी प्रसाद यादव की टीम ने आरोपी की तलाश शुरू की। संभावित ठिकानों से हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान आरोपी ने घटना को अंजाम देना स्वीकार कर लिया। इसके बाद 23 मार्च 2026 को विधिवत गिरफ्तार किया गया। आरोपी को न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया जारी है।

आरोपी की आपराधिक छविः पुलिस के अनुसार रिषभ मसीह उर्फ बंटी थाना सिमगा क्षेत्र का गुंडा-बदमाश है। आरोपी गणेशपुर निवासी है, वर्तमान में विश्रामपुर में रह रहा था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को जेल भेज दिया।

पुत्र की मदद से की पति की हत्या, मां-बेटा गिरफ्तार

कोरिया । कोरिया जिले के कटकोना कालरी में पदस्थ कर्मचारी बसंत लाल (59 वर्ष) की हत्या के मामले में पुलिस ने मृतक की पत्नी शालू (58 वर्ष) और पुत्र जितेंद्र प्रसाद (30 वर्ष) को गिरफ्तार किया है। करीब एक माह पहले 26 फरवरी को बसंत लाल का शव उनके माइनस कालोनी स्थित घर में फांसी पर झूलता पाया गया था। प्रारंभिक जांच में यह हत्या लग रही थी और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाकर हत्या होना बताया गया जिसके बाद पुलिस ने मृतक की पत्नी व पुत्र को गिरफ्तार कर लिया।

बता दें कि 26 फरवरी को कटकोना कालरी में पदस्थ कर्मचारी बसंत लाल की लाश उसके घर पर फांसी को फंदे पर झूलते मिली थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही कर मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में यह स्पष्ट हुआ कि मौत का कारण गला दबाने से हत्या थी, न कि प्राकृतिक कारण या आत्महत्या। पंचनामा के दौरान शव पर चोटों के निशान भी पाए गए थे, जो हत्या की पुष्टि करते हैं। जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच करते हुए मृतक की पत्नी शालू (58 वर्ष) और पुत्र जितेंद्र प्रसाद (30 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया। पुछताछ में आरोपियों ने बताया कि मृतक बसंत लाल शराब पीने के आदी थे और लंबे समय से ड्यूटी नहीं जा रहे थे। इसके साथ ही वह घर में खर्च के लिए पर्याप्त पैसे भी नहीं देते थे। इसके कारण परिवार में अकसर विवाद होता रहता था। पत्नी शालू और पुत्र जितेंद्र इस बात से परेशान थे और उन्होंने मिलकर हत्या की साजिश रची। पुलिस सूत्रों के अनुसार, 25 फरवरी की रात दोनों ने मिलकर बसंत लाल को पहले डंडों से पीटा और फिर गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद उन्होंने शव को घर के पीछे आंगन में फांसी पर लटका दिया।

बताया जाता है कि मृतक बसंत लाल के दो बेटे और तीन बेटियां हैं। तीनों बेटियों की शादी हो चुकी है। एक बेटा सिकंदर डबरीपारा में रहता है और घटना के समय घर पर नहीं था। घर में एक बेटी रीना आई थी, जिसने सुबह शव देखा, लेकिन उसे हत्या की जानकारी नहीं थी।

दंतेवाड़ा पुलिस ने साइबर ठग को झारखंड से गिरफ्तार किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। दंतेवाड़ा पुलिस ने साइबर ठगी के मामले में कार्रवाई करते हुए झारखंड के कोडरमा से आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ देश के कई राज्यों में साइबर शिकायतें दर्ज हैं। पुलिस ने फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन एनालिसिस और साइबर फॉरेंसिक टूल्स की मदद से आरोपी तक पहुंच बनाई। मामला बचेली थाना क्षेत्र का है। 15 मार्च 2025 से 18 जून 2025 के बीच शिकायतकर्ता और उसके साथियों से टास्क पूरा करने पर रकम डबल करने का लालच देकर 7 लाख 91,547 रुपए की ठगी की गई। इस मामले में पुलिस ने स्नद्धक्र दर्ज की। जब जांच शुरू की गई तो पता चला कि आरोपी के खिलाफ देश के कुल 16 राज्यों में केस दर्ज है। जांच के दौरान पुलिस टीम 10 मार्च 2026 को झारखंड और बिहार रवाना हुई। कोडरमा जिले के जयनगर निवासी मुकेश कुमार सिंह (51) को गिरफ्तार किया गया। जांच में सामने आया कि आरोपी के खिलाफ छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, दिल्ली, केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक और ओडिशा में कुल 16 साइबर शिकायतें दर्ज हैं।

मेमू ट्रेन में गैस सिलेंडर ले जाते युवक गिरफ्तार ज्वलनशील पदार्थ प्रतिबंधित, रेलवे एक्ट के तहत कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में आरपीएफ ने कोरबा-रायपुर मेमू ट्रेन से युवक को भरा हुआ गैस सिलेंडर ले जाते हुए गिरफ्तार किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। ट्रेन में ज्वलनशील पदार्थ ले जाना प्रतिबंधित है, जिसके चलते उसके खिलाफरेलवे एक्ट की धारा 153 और 164 के तहत कार्रवाई की गई है।

आरपीएफ गुप्तचर शाखा के सहायक उप निरीक्षक बीरबल सिंह और प्रधान आरक्षक एके प्रधान ने कोटमी सोनार और बिलासपुर के बीच ट्रेन में एक संदिग्ध युवक की तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके पास से लाल रंग का भरा हुआ घरेलू गैस सिलेंडर बरामद हुआ। बोरी में छिपाकर ले जा रहा

था आरोपी की पहचान हरि कृष्ण कश्यप (28) के रूप में हुई है, जो अकलतरा के वार्ड 3 का निवासी है। पूछताछ में उसने बताया कि वह सिलेंडर को सफेद प्लास्टिक की बोरी में छिपाकर ट्रेन नंबर 68745 कोरबा-रायपुर मेमू से अकलतरा से गतौरा जा रहा था।

कोई वैध दस्तावेज नहीं था: युवक के पास सिलेंडर ले जाने का कोई वैध दस्तावेज नहीं था। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि ट्रेन में ज्वलनशील पदार्थ ले जाना एक गंभीर अपराध है, जिससे यात्रियों की जान और संपत्ति को खतरा हो सकता है। मौके पर गवाहों के सामने आरोपी के पास से सिलेंडर और उसका आधार कार्ड जब्त किया गया।

इस मामले की जांच उप निरीक्षक एसबी सिंह कर रहे हैं। रेलवे अधिकारियों ने यात्रियों से सतर्क रहने और ट्रेन में किसी भी ज्वलनशील पदार्थ की सूचना तुरंत आरपीएफ को देने की अपील की है।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202603101000114

विषयः- अ-6 अ मामले की श्रेणीः-
राजस्व सनः- 2025-2026
कोहका प.ह.न. 00045 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार योगेन्द्र पाठक
अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

आवेदक योगेन्द्र पाठक पिता/पति/विभाग-सरवनंद पाठक पता-एकता चौक भिलाई द्वारा ग्राम कुरूद प.ह.न. 46 रा.नि.म. कोहका, तहसील व् जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि ख.न. 1581/1 का टू. रकबा 0.01 है. 1200 वर्गफीट भूमि को विक्रेता - श्रीमती नंदिता दत्ता पति बी.डी. दत्ता से क्रय किया गया था। नामांतरण पश्चात ऋण पुस्तिका में आवेदिका का नाम दर्ज है, किन्तु वर्तमान अभिलेख में आवेदक के स्थान पर विक्रेता का नाम प्रदर्शित हो रहा है। जिसे त्रुटी सुधार किये जाने हेतु न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 10/04/2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयवधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 18/03/2026 को जारी किया जाता है।

DIKESHWAR SAHU
अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

रिश्वत लेते सीएमओ तथा अकांउटेंट गिरफ्तार

मनेंद्रगढ़। रिश्वतखोरी के मामले में एसीबी ने आज बड़ी कार्रवाई करते हुए एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने नगर पालिका परिषद मनेंद्रगढ़ में दबिश देकर अकाउंटेंट को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। वहीं सीएमओ को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार नगर पालिका परिषद मनेंद्रगढ़ सीएपओ इशहाक खान ने एक ठेकेदार से उसके काम का बिल पास कराने के बदले में 53,000 रुपए की रिश्वत मांगी थी। इसमें से 20,000 की पहली किश्त पहले ही नगद दी जा चुकी थी तथा शेष 33,000 की राशि देना शेष था। वहीं ठेकेदार ने इस मामले की शिकायत एसीबी में की थी। जिस पर कार्यवाही करते हुए एसीबी ने जाल बिछाया और शेष 33,000 की राशि देने के लिए आज दोपहर ठेकेदार सीएमओ के घर पहुंचा।

खास खबर

सड़क पर दिखा 5 फीट लंबा जहरीला नाग, रेस्क्यू टीम ने पकड़कर जंगल में छोड़ा

कोरबा। कोरबा जिले के बलगी क्षेत्र में एक पांच फीट लंबा जहरीला नाग दिखने से इलाके में हड़कंप मच गया। सड़क पार करते सांप को देख लोग हैरान रह गए। लोगों ने उसे भगाने का प्रयास किया, लेकिन सांप फन फैलाकर पास की एक बंद नाली में जाकर बैठ गया। लोगों ने वाइल्डलाइफ रेस्क्यू टीम (नोवा नेचर) के जितेंद्र सारथी को सूचना दी। वे अपनी टीम के साथ कुछ ही देर में मौके पर पहुंचे। रेस्क्यू टीम ने धैर्य और सावधानी से उसे पकड़कर थैले में सुरक्षित कर लिया। कटघोरा डीएफओ कुमार निशांत को सूचना देकर नाग को उसी रात जंगल में छोड़ दिया गया।

आइसक्रीम फैक्ट्रियों पर छापा, जांच के लिए भेजे सैंपल

कोरबा। खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावटी और मानकहीन उत्पादों पर रोक लगाने के लिए बड़ी कार्रवाई की है। आयुक्त खाद्य सुरक्षा दीपक अग्रवाल के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पानी और आइसक्रीम बनाने वाली फैक्ट्रियों में छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान दीपका स्थित मित्तल इंडस्ट्रीज से उंतज जमत ब्रांड के ड्रिंकिंग वाटर पाउच के नमूने लिए गए। वहीं, मुड़ापार कोरबा में संचालित फ्लेक्सो आइसक्रीम फैक्टरी से भी आइसक्रीम के सैंपल जब्त किए गए। जांच टीम ने सभी नमूनों को रायपुर स्थित फूड लैब भेज दिया है, जहां उनकी गुणवत्ता और निर्धारित मानकों के अनुसार जांच की जाएगी। छापेमारी के दौरान संबंधित फर्मों को नियमों के तहत संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि खाद्य सुरक्षा मानकों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जयपुर पैर शिविर : 120 हितग्राहियों को मिले सहायक उपकरण, कुछ आसान हुई जीवन की चुनौतियां

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। दिव्यांगजनों के जीवन को सुगम और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में छत्तीसगढ़ सरकार की पहल लगातार प्रभावी साबित हो रही है। इसी कड़ी में बस्तर जिले के आड़ावाल स्थित जयपुर फुट सेंटर में आयोजित विशाल सहायक उपकरण वितरण शिविर ने राज्य में दिव्यांग सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया। शिविर में कुल 120 हितग्राहियों को आधुनिक तकनीक से निर्मित कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण प्रदान किए गए, जिससे उनके जीवन में नई उम्मीद जगी।

शिविर में बस्तर सहित आसपास के दूरस्थ अंचलों से बड़ी संख्या में दिव्यांगजन और उनके परिजन पहुंचे। पंजीयन के बाद विशेषज्ञों द्वारा जांच कर हितग्राहियों को उनकी आवश्यकता के अनुसार उपकरण उपलब्ध कराए गए। आयोजन के दौरान 6 दिव्यांगों को कृत्रिम हाथ और 5 को कृत्रिम पैर प्रदान किए गए, वहीं 19 मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल, 33 सामान्य ट्राईसाइकिल और 16 व्हीलचेयर वितरित की गईं, जिससे दिव्यांगजनों की गतिशीलता और आत्मनिर्भरता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

शिविर में शासन की योजनाओं से जोड़ने पर भी विशेष ध्यान दिया गया। 17 हितग्राहियों के यूडीआईडी कार्ड बनाए गए, जिससे उन्हें विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ सहजता से मिल सकेगा। इसके साथ ही 14 दिव्यांगों को श्रवण यंत्र और 12 हितग्राहियों को बैसाखी प्रदान की गई, जिससे उनके दैनिक जीवन को अधिक सरल बनाने में मदद मिलेगी।

जयपुर फुट सेंटर के विशेषज्ञों द्वारा लगाए गए इस शिविर ने दूरस्थ क्षेत्रों से आए दिव्यांगजनों को राहत और विश्वास प्रदान किया।

बस्तर हेरिटेज मैराथन में ऐसे उभरे छत्तीसगढ़ के सितारे

- कुसुम ने दृढ़ इच्छाशक्ति और कठिन परिश्रम से जीता पहला स्थान
- छोड़ चुकी थी दौड़ना, पर मैराथन ने दोबारा पैदा कर दिया जुनून

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बस्तर की बेटियों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि यदि हौसला बुलंद हो और लक्ष्य के प्रति समर्पण हो, तो कोई भी बाधा राह नहीं रोक सकती। 'बस्तर हेरिटेज मैराथन' में कुसुम ने अपनी अद्भुत खेल क्षमता और अदम्य साहस का परिचय देते हुए 42 किलोमीटर की फुल मैराथन में प्रथम स्थान हासिल कर पूरे क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है।

कुसुम ने यह चुनौतीपूर्ण दूरी मात्र 3 घंटे 18 मिनट और 43 सेकंड में पूरी कर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की। उनकी इस सफलता के पीछे महीनों का कड़ा अभ्यास और खुद को साबित करने की एक लंबी जद्दोजहद छिपी है।

कुसुम की यह जीत इसलिए भी विशेष है क्योंकि उन्होंने एक समय पैर में गंभीर चोट (इंजरी) लगने के कारण दौड़ना लगभग छोड़ दिया था। इस बाधा के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। कुसुम को निरंतर प्रोत्साहन और मार्गदर्शन ने उन्हें दोबारा मैदान में उतरने का साहस दिया।

अक्टूबर-नवंबर से पुनः अभ्यास शुरू करते हुए कुसुम ने धरमपुरा स्थित परिसर और इंजीनियरिंग कॉलेज के मैदानों में घंटों पसीना बहाया। एक दौर ऐसा भी था जब उनके लिए 50 मीटर दौड़ना भी मुश्किल था और शारीरिक भारीपन के कारण चुनौतियां अधिक थीं, लेकिन सुबह 4 बजे उठकर किए गए कड़े अभ्यास ने न केवल उन्हें शारीरिक रूप से फिट बनाया बल्कि मानसिक रूप से भी फौलादी बना दिया।

बस्तर हेरिटेज मैराथन के दौरान के अनुभवों को साझा करते हुए कुसुम ने बताया कि 42 किलोमीटर की इस लंबी दौड़ में एक वक्त ऐसा आया जब शरीर जवाब देने लगा था और पैर पूरी तरह भर चुके थे, लेकिन लक्ष्य तक पहुँचने की तड़प ने उन्हें रुकने नहीं दिया। बस्तर ब्लॉक के एक छोटे से गांव मधोता से निकलकर इस मुकाम तक पहुँची कुसुम की सफलता से पूरे गांव में हर्ष का माहौल है।

ग्रामीण अपनी इस लाड़ली के स्वागत के लिए पलकें बिछाए बैठे हैं। कुसुम अब आगामी पुलिस भर्ती और अन्य राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं के लिए पूरी ऊर्जा के साथ तैयारी में जुट गई हैं। उनकी यह उपलब्धि क्षेत्र के अन्य युवाओं के लिए एक प्रेरणा है कि विषम परिस्थितियों और संसाधनों के अभाव में भी मेहनत के दम पर सफलता का शिखर छुआ जा सकता है। बस लक्ष्य निर्धारित कर कठिन परिश्रम करना होगा।

कोण्डागांव के संजय कोर्राम ने पुरुष वर्ग में जीता खिताब

कोण्डागांव के ग्राम चिलपुटी के एक साधारण से किसान परिवार के युवा धावक संजय कोर्राम ने रविवार को आयोजित 'बस्तर हेरिटेज मैराथन' में प्रथम स्थान प्राप्त कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। कोण्डागांव-उमरकोट मार्ग से सटे माकड़ी रोड के पास स्थित एक छोटे से गांव से निकलकर मैराथन के ट्रैक तक पहुँचने का उनका यह सफर पिछले चार-पाँच वर्षों के कड़े अभ्यास और अटूट मेहनत का परिणाम है।

इस खिलाड़ी की सफलता इसलिए भी खास है क्योंकि उनकी यह दौड़ केवल पदकों के लिए नहीं, बल्कि जीवन की कठिन चुनौतियों के खिलाफ भी है। संजय के सिर से पिता का साया उठ चुका है। वे अपनी माता और भाइयों के साथ मिलकर घर की बागडोर संभाल रहे हैं। एक छोटा भाई फौज में है जबकि दूसरा अभी शिक्षा ग्रहण कर रहा है। छह-सात एकड़ खेती और मक्के की फसल की देखभाल का जिम्मा संजय के कंधों पर है। संजय भी सेना में जाना चाहते थे, तैयारी भी थी पर घर की जिम्मेदारियों ने उनके पांव रोक लिये। पर दौड़ने के अपने जुनून को उन्होंने कभी कम नहीं होने दिया। अपनी रफ़्तार का लोहा वे केवल बस्तर में ही नहीं, बल्कि अबूझमाड़ मैराथन में पांचवा स्थान और भिलाई स्टील प्लांट द्वारा आयोजित दौड़ में दसवां स्थान प्राप्त कर राज्य स्तर पर भी मनवा चुके हैं। कोण्डागांव जिले की अधिकांश प्रतियोगिताओं में वे ही शीर्ष पुरस्कार जीतते आ रहे हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से बस्तर मैराथन की जानकारी पाकर शामिल हुए इस धावक की जीत ने आज उनके पूरे परिवार और गांव को गौरवान्वित कर दिया है। यह कहानी हमें सिखाती है कि यदि इरादे फौलादी हों, तो खेतों की मेड़ों पर दौड़ने वाला एक सामान्य युवा भी प्रदेश के सबसे बड़े मंच पर अपनी चमक बिखेर सकता है।

उन्नत तकनीक से मछली पालन कर प्रतिमाह हो रही 50 हजार तक कमाई

- स्व-सहायता समूह से बदली नील की किस्मत, बनीं 'लखपति दीदी'
- बिहान योजना से मिली आर्थिक मदद, मछली पालन से बढ़ी आमदनी

श्रीकंचनपथ समाचार

मुंगेली। कभी सीमित आय में जीवन यापन करने वाली नील दिवाकर अब लखपति दीदी के रूप में अपनी पहचान बना रही हैं। विकासखण्ड लोरमी अंतर्गत ग्राम डेरहाकापा की निवासी नील दिवाकर आज स्व-सहायता समूह से जुड़कर आत्मनिर्भरता की मिसाल बन चुकी हैं।

पहले नील की आर्थिक स्थिति काफी कमजोर थी। उनके परिवार की आय का मुख्य साधन एक छोटे से डबरी में किया जाने वाला मछली पालन था, जिससे बहुत ही कम आय प्राप्त होती थी और परिवार की आवश्यकताएं भी पूरी नहीं हो पाती थीं।

लखपति दीदी नील दिवाकर ने बताया कि उन्होंने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के अंतर्गत 'गुरु बालक दास महिला स्व-सहायता समूह' से जुड़कर समूह की गतिविधियों में भाग लेना शुरू किया।

समूह के माध्यम से उन्हें रिवॉल्विंग फंड, कम्युनिटी इन्वेस्टमेंट फंड, बैंक लिंकेज एवं सीएलएफ से ऋण राशि प्राप्त हुई। प्राप्त ऋण का सदुपयोग करते हुए नील ने 01 एकड़ डबरी में व्यवस्थित रूप से मछली पालन का कार्य प्रारंभ किया। बड़े पैमाने पर उत्पादन होने से उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। पहले उनकी मासिक आय लगभग 15 हजार रुपये थी, जो अब बढ़कर लगभग 50 हजार रुपये तक पहुंच गई है। उनकी वार्षिक आय भी अब करीब 06 लाख रुपये हो गई है। आर्थिक सशक्तिकरण के साथ उनके जीवन में कई सकारात्मक बदलाव आए हैं। परिवार का जीवन स्तर बेहतर हुआ है, बच्चों की शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार हुआ है और वे आत्मनिर्भर बनकर समाज में एक नई पहचान स्थापित कर चुकी हैं। नील दिवाकर अब अपने व्यवसाय का विस्तार करते हुए 02 एकड़ डबरी में मछली पालन कर रही हैं, जिसमें उन्होंने लगभग 30 हजार मछली बीज का उपयोग किया है। वे न केवल स्वयं सशक्त हो रही हैं, बल्कि अपने गांव की अन्य महिलाओं को भी स्व-सहायता समूह से जुड़कर आजीविका अपनाने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

मातंगी मैया की कृपा से 610 भटके हुए लोग सनातनी पुरखो से जुड़े

रायपुर। हिन्दू नववर्ष, चैत्र नवरात्र प्रतिपदा के पावन अवसर पर धर्म जागरण समन्वय के तत्वाधान में श्री सिद्ध हनुमान मंदिर सक्ति में 610 धर्मान्तरित सदस्यों ने स्वधर्म वापसी की। कुंवर कुमार दिलीप सिंह जूदेव द्वारा प्रारंभ किए गए घर वापसी अभियान की प्रेरणा से आयोजति इस कार्यक्रम में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ चरण पखारकर उनकी स्वधर्म वापसी कराई गई। अखिल भारतीय घर वापसी अभियान के प्रमुख प्रबल प्रताप सिंह जूदेव नें स्वयं सभी परिवारों के चरण पखारकर उनकी घर वापसी कराई। यह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सनातन धर्म की महानता, समावेशी भावना और सांस्कृतिक जागरण का प्रतीक है। सभी ने संकल्प लिया कि राष्ट्र की सुरक्षा एवं सनातन के संरक्षण हेतु घर वापसी अभियान को निरंतर आगे बढ़ाता रहेंगे, जब तक अंतिम व्यक्ति भी अपनी सनातन पहचान से पुनः न जुड़ जाए। इस पुण्य कार्य में सहयोग करने वाले पूज्य प्रेमा साईं महाराज, सुधीर गौतम, राजकुमार चंद्रा, अंजू गबेल, अवतार अग्रवाल, टिकेश्वर गबेल, अन्नपूर्णा राठौर, राजेंद्र राठौड़, आयुष शर्मा, महेश साहू, रूपेंद्र गबेल, संतोषी सिंह, कुंती जांगड़े, पूजा राठौर, धर्मप्रेमी बंधु-भगिनी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

गरियाबंद : आस्था और प्रकृति का अनूठा संगम

भूतेश्वरनाथ से जतमई-घटारानी तक हर कदम पर अद्भुत एहसास

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ का गरियाबंद जिला केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि प्रकृति, आध्यात्मिकता और रोमांच का जीवंत अनुभव है। यहां की हरियाली, झरनों की गूंज, मंदिरों की आस्था और जंगलों की शांति पर्यटकों को एक अलग ही दुनिया में ले जाती है।

जिले के ग्राम मरोदा के पास स्थित भूतेश्वरनाथ महादेव मंदिर एक प्राकृतिक शिवलिंग है, जिसके बारे में मान्यता है कि यह शिवलिंग हर वर्ष स्वतः बढ़ता जाता है। सावन और महाशिवरात्रि के अवसर पर यहां हजारों श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए पहुंचते हैं। घने जंगलों के बीच स्थित यह स्थल अद्भुत आध्यात्मिक शांति प्रदान करता है और यहां पहुंचते ही मन स्वतः ही शांत हो जाता है।

गरियाबंद का जतमई और घटारानी क्षेत्र प्राकृतिक सौंदर्य का अनमोल खजाना है। रायपुर से लगभग 80-90 किलोमीटर दूर स्थित यह क्षेत्र विशेषकर वर्षा ऋतु में अपनी पूरी भव्यता के साथ नजर आता है। बारिश के समय यहां के झरने ऊंची चट्टानों से पूरी शक्ति के साथ गिरते हैं, जिससे चारों ओर पानी की फुहार और हल्की धुंध-सा वातावरण बन जाता है। घनी हरियाली से आच्छादित यह क्षेत्र ऐसा प्रतीत होता है मानो प्रकृति ने स्वयं इसे सजाया हो। ठंडी हवाएं और झरनों की निरंतर गूंज मन को गहरे सुकून का एहसास कराती है।

जतमई या घटारानी पहुंचते ही झरनों की तेज आवाज सुनाई देती है, जो पर्यटकों का स्वागत करती है। ऊंचाई से गिरता पानी, चट्टानों पर बहती धाराएं और आसपास खड़े विशाल वृक्ष एक जीवंत दृश्य प्रस्तुत करते हैं। लोग यहां चट्टानों पर बैठकर इस प्राकृतिक सौंदर्य को निहारते हैं, वहीं कई पर्यटक झरनों के पास जाकर ठंडे पानी की फुहार का आनंद लेते हैं। घटारानी मंदिर के समीप बहता झरना विशेष आकर्षण का केंद्र है, जहां पानी कई स्तरों में गिरता हुआ अद्भुत दृश्य बनाता है, जबकि जतमई माता मंदिर के आसपास धार्मिक आस्था और प्राकृतिक सुंदरता का अनूठा संगम देखने को मिलता है।

गरियाबंद की यात्रा केवल एक सैर नहीं, बल्कि एक संपूर्ण अनुभव बन जाती है। जैसे-जैसे पर्यटक शहर की भीड़-भाड़ से दूर इन हरे-भरे जंगलों की ओर बढ़ते हैं, वैसे-वैसे उन्हें शांति और सुकून का एहसास होने लगता है। यहां पहुंचने पर ठंडी हवाएं, झरनों की ध्वनि और प्राकृतिक वातावरण व्यक्ति को पूरी तरह तरोताजा कर देते हैं। परिवार, मित्रों या अकेले यात्रा करने वाले सभी लोगों के लिए यह स्थान खास अनुभव प्रदान करता है, जहां पिकनिक, फोटोग्राफी, ट्रैकिंग और धार्मिक दर्शन का आनंद एक साथ लिया जा सकता है।

गरियाबंद तक पहुंचना भी बेहद आसान है। रायपुर से लगभग 90 किलोमीटर की दूरी पर स्थित इस जिले तक सड़क मार्ग से 2 से 3 घंटे में पहुंचा जा सकता है। अभनपुर और राजिम होते हुए जाने वाला मार्ग हरियाली और प्राकृतिक दृश्यों से भरपूर है, जो यात्रा को और भी सुखद बना देता है। बस, टैक्सी और निजी वाहन सभी माध्यमों से यहां आसानी से पहुंचा जा सकता है।

गरियाबंद जिला प्रकृति के सौंदर्य, आस्था की गहराई और रोमांच के अद्भुत मेल का प्रतीक है। भूतेश्वरनाथ की दिव्यता, जतमई-घटारानी के झरनों की जीवंतता और पूरे क्षेत्र की हरियाली इसे छत्तीसगढ़ का एक ऐसा पर्यटन गंतव्य बनाती है, जहां हर यात्रा यादगार बन जाती है।

उदंती-सीतानदी भी जैव विविधता से भरपूर

प्राकृतिक और वन्यजीव प्रेमियों के लिए उदंती-सीतानदी अभयारण्य एक अनूठा आकर्षण है। जैव विविधता से भरपूर यह अभयारण्य दुर्लभ वन्य जीवों, विशेषकर जंगली भैंसों के संरक्षण के लिए जाना जाता है। यहां का शांत और प्राकृतिक वातावरण पर्यटकों को एक अलग ही अनुभव प्रदान करता है।

'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' के लिए पहुंचने लगी टीमें

- असम से आई तैराकी टीम, तमिलनाडु की फुटबाल टीम भी पहुंची
- 25 मार्च से 3 अप्रैल तक सात खेलों में दिखाएंगे अपनी प्रतिभा
- महिला और पुरुष दोनों वर्ग शामिल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के लिए खिलाड़ियों का छत्तीसगढ़ आगमन शुरू हो गया है, जिससे प्रदेश में खेल उत्सव का माहौल बन गया है। सोमवार शाम असम से तैराकी के 10 खिलाड़ी और तमिलनाडु से 17 फुटबॉल खिलाड़ियों का दल रायपुर पहुंचा।

खिलाड़ियों के स्वागत में स्वामी विवेकानंद विमानतल पर पारंपरिक रंगारंग प्रस्तुतियों ने माहौल को उत्साह से भर दिया। खेल एवं युवा कल्याण विभाग और क्रीड़ा के अधिकारियों ने गुलाब भेंटकर अतिथियों का आत्मीय अभिनंदन किया। आयोजन के तहत 23 मार्च को देश के विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से बड़ी संख्या में खिलाड़ियों के पहुंचने का सिलसिला जारी रहेगा। यह पहली बार है जब इस स्तर का आदिवासी खेल आयोजन छत्तीसगढ़ में आयोजित हो रहा है।

यह भव्य प्रतियोगिता रायपुर, अंबिकापुर और जगदलपुर में आयोजित की जा रही है, जिसमें देशभर से लगभग 3,000 जनजातीय खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। 25 मार्च से 3 अप्रैल तक चलने वाले इस आयोजन में हॉकी, फुटबॉल, कुश्ती, एथलेटिक्स, तैराकी, तीरंदाजी और वेटलिफ्टिंग जैसे सात खेलों में पुरुष और महिला वर्गों के बीच रोमांचक मुकाबले होंगे।

छत्तीसगढ़वासियों के लिए यह आयोजन न केवल खेल प्रतिभाओं को देखने का अवसर है, बल्कि जनजातीय संस्कृति और खेल भावना के अद्भुत संगम का भी प्रतीक बनेगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950